www.sutrakarsamachar.com
सब्सक्राइब करें

वर्ष : 60, अंक : 108
रांची, शनिवार
20 अप्रैल 2024
पेज -08, मूल्य : 3 रुपया
चैत्र शुक्ल पक्ष एकादशी
विक्रम संवत, 2081

सच का पैरोकार
सूत्रकार

DL No.30/2022 रांची व कोलकाता से प्रकाशित

डैम के मुद्दे पर भाजपा कर रही गुमराह : बंधु

जैक 10वीं का रिजल्ट जारी लड़कियों ने इस बार मारी बाजी

90.31 प्रतिशत रहा रिजल्ट

रांची, सूत्रकार

झारखंड एकेडमिक काउंसिल जैक बोर्ड ने शुक्रवार को जैक परिसर में मैट्रिक का रिजल्ट जारी कर दिया। दसवीं का रिजल्ट इस बार 90.31 प्रतिशत रहा। एक बार फिर से लड़कियों ने बाजी मारी है।

लड़कियों ने लहराया परचम

91 प्रतिशत छात्राएं और 87.70 छात्र सफल रहे। फर्स्ट डिविजन में 205110 विद्यार्थी (54.20 प्रतिशत), सेकेंड डिविजन 153733 विद्यार्थी (40.63 प्रतिशत) और थर्ड डिविजन में 19555 विद्यार्थी (5.17 प्रतिशत) सफल रहें। झारखंड की टॉप थ्री में छात्राओं का ही कब्जा रहा। तीनों छात्राएं इंदिरा गांधी बालिका हाई स्कूल, हजारीबाग की हैं।

हजारीबाग के एक ही स्कूल की 19 छात्राएं टॉप 10 में

टॉप टेन की सूची में हजारीबाग के इंदिरा गांधी बालिका हाई स्कूल, हजारीबाग की 19 छात्राएं शामिल हैं। टॉप टेन में कुल 44 विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने जगह बनाई है।

टॉपरों को किया जाएगा सम्मानित

पहले मई-जून में परिणाम जारी होते थे। चुनाव को देखते हुए 20 दिन पहले की रिजल्ट को जारी किया गया है। अगले दस दिनों 12वीं का भी रिजल्ट जारी कर दिया गया है। जैक चेयरमैन ने बताया कि इस बार भी टॉपरों को राज्य सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

जैक मैट्रिक के रिजल्ट में पूर्वी सिंहभूम नंबर वन बना है। यहां के कुल 94 प्रतिशत छात्रों ने सफलता प्राप्त की है। मैट्रिक की परीक्षा में कुल 23555 विद्यार्थी शामिल हुए थे।

पांच प्रतिशत रिजल्ट रहा कम

पिछली बार की तुलना में इस बार करीब 5 प्रतिशत रिजल्ट कम रहा है इसकी वजह बताई जा रही है कि इस बार ओएमआर शीट हटा दी गई थी।

ज्योत्सना ज्योति बनीं पहली टॉपर

पहली टॉपर ज्योत्सना ज्योति, 99.2 प्रतिशत, सना संजोरी 98.6 प्रतिशत, करिश्मा कुमारी व सृष्टि सौम्या 98.4 प्रतिशत है। जैक 10वीं रिजल्ट झारखंड एकेडमिक काउंसिल के अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार महतो ने जारी किया। जैक ने पहली बार अप्रैल में ही रिजल्ट जारी किया है।

जैक मैट्रिक के रिजल्ट में झारखंड में पूर्वी सिंहभूम नंबर वन

झारखंड के सभी जिलों में नंबर वन बनने पर पूर्वी सिंहभूम के डीसी अननय मित्तल, ड-ीडीसी मनीष कुमार, क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त उपनिदेशक निर्मला बरेलिया, जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार पांडे नए शिक्षकों एवं छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह उनकी मेहनत व परिश्रम का नतीजा है।जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग ने मैट्रिक के रिजल्ट को लेकर विशेष फोकस किया था। इसी का परिणाम आज सामने आया है। रिजल्ट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को सम्मानित करने की घोषणा भी की है।

सूर्य की तपिश से जीना मुहाल, झारखंड के कई जिलों में हीट वेव, येलो अलर्ट जारी

रांची, सूत्रकार

अप्रैल का महीना अभी खत्म भी नहीं है और गर्मी अपना रंग दिखाने लगी है। मौसम के मामले में मुफिद कहे जाने वाले झारखंड के कई जिलों में लू के थपेड़ों ने लोगों को झुलसाना शुरू कर दिया है। संथाल, कोल्हान और पलामू प्रमंडल में जिंदगी थम सी गई है। 19 अप्रैल को गोड्डा, पाकुड़, सरायकेला और पूर्वी सिंहभूम में पारा 43 डिग्री पहुंच चुका है।

देवघर, दुमका, साहिबगंज, जामताड़ा, धनबाद, पश्चिमी सिंहभूम, गढ़वा, पलामू और चतरा में पारा 42 डिग्री क्रॉस कर चुका है। सिमडेगा, बोकारो, गिरिडीह, कोडरमा में पारा 41 डिग्री की सीमा लांघ चुका है। रांची, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, गुमला, रामगढ़ और हजारीबाग में पारा 38 से 40 के बीच है। इसके बावजूद दिन चढ़ते ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जा रहा है। मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

मौसम केंद्र ने 19 अप्रैल के अधिकतम तापमान और हिव वेव की वजह से दुमका, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। 20 और 21 अप्रैल को येलो अलर्ट का दायरा देवघर, जामताड़ा, धनबाद और बोकारो तक पहुंच जाएगा। 22 अप्रैल को संथाल के दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ के अलावा कोल्हान में सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में येलो अलर्ट जारी रहेगा।

मौसम केंद्र ने 11 बजे से 3 बजे के बीच धूप में बाहर जाने से बचने की सलाह दी है। पर्याप्त मात्रा में समय-समय पर पानी पीते रहने, सूती कपड़े पहनने, चश्मा, टोपी और छतरी के इस्तेमाल की भी सलाह दी है। बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं का विशेष ख्याल रखने, पार्क किए गये गाड़ियों में बच्चों या पालतू जानवरों को नहीं छोड़ने का भी सुझाव दिया गया है।

मौसम केंद्र ने अनुमान जताया है कि आने वाले दिनों में पाकुड़, देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, साहिबगंज पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला में अधिकतम पारा 43 से 44 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। ऐसे समय विशेष सावधानी बरतने की जरुरत है। झुलसाने वाली तपिश के बीच 23 अप्रैल को राज्य को दक्षिणी और मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन और वज्रपात की भी संभावना जतायी गयी है।

न्यूज फ्लैश

चतरा के एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा पावर प्लांट में लगी आग

चतरा, सूत्रकार

जिले के टंडवा प्रखंड स्थित एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा पावर प्लांट में आग लग गई। खबर लिखे जाने तक आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। आग लगने के बाद दमकल की गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। इस काम में आठ दमकल की गाड़ियों को लगाया गया है। दमकलकर्मी आग पर नियंत्रण पाने में जुटे हैं। आग के कारण इलाके में रहने वाले लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। इसकी क्षमता 1980 मेगावाट है।

आज रांची आएंगे सचिन तेंदुलकर

रांची, सूत्रकार

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर 20 अप्रैल को रांची आने वाले हैं। सचिन इलेक्शन कमिशन ऑफ इंडिया के कार्यक्रम में शिरकत करने रांची आ रहे हैं। बता दें कि भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और भारत रत्न सचिन तेंदुलकर को मतदाता जागरूकता और शिक्षा के लिए एउक के राष्ट्रीय आइकन के रूप में नियुक्त किया है। इसी के तहत उनका झारखंड आगमन होने वाला है।

मीडिया रिपोट्स की मानें तो तेंदुलकर सुबह 8 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लैड करेंगे। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के लेकर भारतीय चुनाव आयोग ने मास्टर ब्लास्टर को नेशनल आईकन बनाया है। इसी के तहत लोगों की चुनाव में भागीदारी अधिक से अधिक हो इसे लेकर वो झारखंड में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। दरअसल, सचिन तेंदुलकर क्रिकेट इतिहास के सबसे लोकप्रिय चेहरों में एक हैं। भारतीय चुनाव आयोग सचिन तेंदुलकर को अपना नेशनल आईकन बनाकर चुनाव में लोगों की भागीदारी बढ़ाने पर काम कर रही है। बता दें कि झारखंड के कुल 14 लोकसभा सीटों पर 4 चरणों में चुनाव होंगे। 13,20,25 मई और 1 जून को यह मतदान होंगे। वहीं 4 जून को नतीजे घोषित किए जाएंगे। चौथे चरण यानि की 13 मई को सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू में वोट डाले जाएंगे। वहीं 20 मई को चतरा, कोडरमा और हजारीबाग में मतदान होगा। 25 मई को रांची, गिरिडीह, धनबाद, जमशेदपुर में लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। अंत में 1 जून को राजमहल, दुमका और गोड्डा में प्रत्याशियों के भाग्य ईवीएम में कैद होंगे।

पहले चरण की 102 सीटों पर मतदान खत्म, 60 प्रतिशत हुई वोटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में पहले चरण में 21 राज्यों की 102 सीटों पर शुक्रवार को वोटिंग खत्म हो गई। 102 सीटों पर शाम पांच बजे तक लगभग 60 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इस दौरान पश्चिम बंगाल में हिंसा की कुछ छिटपुट घटनाएं सामने आईं, वहीं छत्तीसगढ़ में एक ग्रेनेड लांचर के गोले में दुर्घटनावश विस्फोट होने से सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई।

विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहली बार मतदान करने वालों में विवाह परिधान में आए कई नवविवाहित जोड़े, दिव्यांग लोग और स्ट्रेचर तथा व्हीलचेयर पर आए कुछ बुजुर्ग शामिल थे। तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह और असम में कुछ बूथ पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में मामूली खामियों की शिकायत आई। मतदान सुबह सात बजे आरंभ हुआ और शाम छह बजे तक जारी रहा। पश्चिम बंगाल में कूचबिहार सीट पर हिंसा के कारण मतदान प्रभावित हुआ। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के सूत्रों ने बताया कि दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने मतदान के पहले कुछ घंटों में चुनावी हिंसा, मतदाताओं को धमकाने और चुनाव एजेंटों पर हमलों

संबंधी क्रमशः 80 तथा 39 शिकायतें दर्ज कराई हैं। अधिकारियों ने बताया कि ईवीएम संबंधी कुछ छोटी-मोटी गड़बड़ियां थीं लेकिन उन्हें तुरंत ठीक कर लिया गया।

चुनाव आयोग ने पहले चरण के मतदान के लिए 1.87 लाख मतदान केंद्रों पर 18 लाख से अधिक मतदान कर्मियों को तैनात किया है। इन मतदान केंद्रों पर 16.63 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। मतदाताओं में 8.4 करोड़ पुरुष, 8.23 करोड़ महिलाएं हैं और 11,371 लोग तृतीय श्रेणी के हैं। 35.67 लाख लोग पहली बार मतदाता बने हैं। इसके साथ ही 20 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के 3.51 करोड़ युवा मतदाता हैं। मतगणना चार जून को होगी।

पहले चरण में जिन राज्यों की सभी लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ, उनमें तमिलनाडु (39), उत्तराखंड (5), अरुणाचल प्रदेश (2), मेघालय (2), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (1), मिजोरम (1), नगालैंड (1), पुडुचेरी (1), सिक्किम (1) और लक्षद्वीप (1) शामिल हैं। इसके अलावा राजस्थान में 12, उत्तर प्रदेश में 8, मध्य प्रदेश में 6, असम और महाराष्ट्र में 5-5, बिहार में 4, पश्चिम बंगाल में 3, मणिपुर में 2 और त्रिपुरा, जम्मू कश्मीर तथा छत्तीसगढ़ में एक-एक सीट पर मतदान हो रहा है। पहले चरण में अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा की 60 और सिक्किम की 32 सीट के लिए भी एक साथ मतदान हुआ।

हाईकोर्ट ने कहा, झारखंड में फैलता नशे का कारोबार चिंता का विषय
राज्य और केंद्रीय एजेंसियां चलाएं संयुक्त अभियान

आला अधिकारी बनाए गये प्रतिवादी

रांची, सूत्रकार

झारखंड में तमाम कोशिशों के बावजूद नशे का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। खूंटी में व्यापक स्तर पर अफीम की खेती मामले में स्वतः संज्ञान से जुड़ी याचिका पर हाईकोर्ट ने आज सुनवाई की। हाईकोर्ट ने राज्य के डीजीपी, गृह सचिव, डीजी सीआईडी के अलावा नारकोटिक्स ब्यूरो के अधिकारी को प्रतिवादी बनाया है।

हाईकोर्ट ने मौखिक तौर पर टिप्पणी की है कि जिस तरह से राज्य में नशे का कारोबार फैल रहा है, वह एक सभ्य समाज के लिए अच्छा नहीं है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसी को संयुक्त रुप से अभियान चलाकर इसको समाप्त करने की दिशा में कदम उठाने को कहा है। झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने कहा कि मामले की विस्तृत सुनवाई 7 मई को होगी।

माना जाता है कि झारखंड के खूंटी में सबसे पहले अफीम की खेती शुरू हुई थी। इसकी खेती को नक्सली बढ़ावा देते रहे हैं। मोटी कमाई की वजह से इसमें कई कारोबारी भी शामिल होते चले गये। समय के साथ अफीम की खेती का दायरा चतरा, लातेहार, रांची समेत कई जिलों तक फैल गई। हालांकि अफीम की फसल को नष्ट करन के लिए पुलिस के स्तर पर सेटेलाइट ईमेज की भी मदद ली जा रही है ।खेती के मौसम में सैंकड़ों एकड़ जमीन में लगी अफीम की फसल को नष्ट भी किया जाता है। इसके बावजूद चोरी छिपे जंगल और बिहड़ो में इसकी पैदावार हो रही है। इस पूरे कारोबार को नक्सलियों के अलग-अलग संगठनों का सहयोग मिलता है। यहां तैयार हुई अफीम की फसल से अलग-अलग ड्रग्स बनाकर पंजाब समेत कई राज्यों में सप्लाई किए जा रहे हैं। इससे मोटी कमाई होती है। अबतक यह राज्य सप्लाई के लिए जाना जाता था लेकिन पिछले कुछ समय से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री में शामिल युवाओं के पकड़े जाने के बाद चिंता और ज्यादा बढ़ गई है। लिहाजा, इस गंभीर विषय पर हाईकोर्ट के स्टैंड से एक उम्मीद जगी है।

सेवा बर्खास्तगी की सजा से पहले कदाचार की गंभीरता पर विचार होना चाहिए : हाईकोर्ट

रांची, सूत्रकार

झारखंड हाईकोर्ट ने हाल ही में दिये अपने एक आदेश में कहा है कि अनुशासनात्मक कार्यवाही में सजा देने से पहले, प्रासंगिक परिस्थितियों के साथ-साथ कदाचार की गंभीरता ध्यान में रखी जानी चाहिए। दरअसल याचिकाकर्ता समलेंद्र कुमार, जो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में हवलदार के पद पर नियुक्त हुए थे, उन्होंने अपनी मां की बीमारी के कारण सक्षम प्राधिकारी से छुट्टी स्वीकृत करवाकर छुट्टी ली थी। छुट्टी खत्म होने के बाद याचिकाकर्ता ने उस दिन रिपोर्ट नहीं की, जिस दिन उसे रिपोर्ट करनी थी।

याचिकाकर्ता के मुताबिक उसने इस आधार पर छुट्टी की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन भेजा था कि उसकी मां का स्वास्थ्य और भी खराब हो गया है और वह पीलिया से भी पीड़ित है, लेकिन उनके अनुरोध पर कोई विचार नहीं किया गया। दूसरी ओर, प्रतिवादी का पक्ष यह था कि याचिकाकर्ता के आवासीय पते पर कई पत्र भेजे गये, लेकिन याचिकाकर्ता उपस्थित नहीं हुए। गिरफ्तारी का वारंट भी जारी किया गया। इसके बाद एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए सेवा बर्खास्तगी की गयी। इस मामले की सुनवाई कर रहे हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एसएन पाठक के कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता छुट्टी की अवधि से अधिक समय तक मजबूरी की परिस्थितियों में रुका। हालांकि कर्मचारी का कर्तव्य है कि छुट्टी की अवधि समाप्त होने के बाद तुरंत ड्यूटी में शामिल हो। लेकिन दंड देने से पहले कदाचार के प्रमुख कारण और अन्य सभी प्रासंगिक परिस्थितियों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।कोर्ट ने कहा कि जांच अधिकारी ने याचिकाकर्ता की अनधिकृत अनुपस्थिति का आरोप साबित कर दिया है।

जो आतंक का सप्लायर था, वो अब आटे की सप्लाई के लिए तरस रहा है : प्रधानमंत्री

ये इंडी गठबंधन वाले सनातन को डेंगू-मलेरिया कहते हैं

दमोह, एजेंसी

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दमोह में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि हमारा एक पड़ोसी जो आंतक का सप्लायर है वो अब आटे की सप्लाई के लिए भी तरस रहा है। ऐसे हालातों में हमारा भारत देश दुनिया में सबसे तेजी से विकसित हो रहा है।

पीएम मोदी ने जनमानस को संबोधित करते हुए आगे कहा कि कांग्रेस व इंडी गठबंधन के लोग सनातन को डेंगू।मलेरिया कहते हैं। भगवान राम की पूजा को पाखंड बताते हैं। परिवारवादी व भ्रष्टाचारी नेताओं को मोदी की गारंटी बैचेन कर रही है। वे कहते है कि तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी तो देश में आग लग जाएगी। इडी गठबंधन के लोग आए दिन मोदी को धमकियां दे रहे है। लेकिन मोदी इन धमकियों से न पहले डरा है न कभी डरेगा। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जब दुनिया में युद्ध का माहौल हो। घटनाएं घट रही हो। तो भारत में युद्ध स्तर पर काम करने वाली सरकार बहुत जरूरी है। ये काम पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार ही कर सकती है। स्थिर सरकार कैसे देश और देश-।वासियों के हित में काम करती है ये हमने बीते वर्षों में देखा है।

जिनके पास गारंटी देने कुछ नहीं उनकी गारंटी मोदी ने ली है

उन्होने कहा कि जिनके पास गारंटी देने के लिए कुछ नहीं है। उनकी गारंटी मोदी ने ली है। मुद्रा योजना के तहत ऐसे युवाओं को लाखों करोड़ रुपए का ऋण दिया है। भाजपा ने घोषणा पत्र में घोषणा की है कि मुद्रा योजना में मदद को बढ़ाकर अब 20 लाख रुपए तक किया जाएगा।

भाजपा की सरकार न किसी के सामने झुकती है, न दबती है

पीएम मोदी ने कहा कि कोविड का इतना बड़ा संकट आया, मजबूत भाजपा सरकार पूरी दुनिया से हर भारतीय को सुरक्षित भारत ले आई। करोड़ों परिवारों को मुफ्त राशन की

सुविधा दी। भाजपा सरकार ने करोड़ों भारतीयों को मुफ्त वैक्सीन लगाई। आज देश में वो भाजपा सरकार है जो न किसी से दबती हैए न किसी के सामने झुकती है।

इंडी गठबंधन वाले राम की पूजा को पाखंड बताते हैं

ओरछा में हमारे भगवान राम राजा के रूप में विराजित हैं। बुंदेलखंड की धरती देख रही कैसे कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले कहते हैं हमारा सनातन डेंगू-मलेरिया है। अध्योध्या में राम मंदिर बना है उसके भी ये विरोधी हैं। राम की पूजा को पाखंड बताते हैं। ये सब वोट की राजनीति के लिए करते हैं।

मां हीरा बेन की पेटिंग लेकर आया युवक, पीएम ने भाषण रोककर की बात

सभा में एक लड़का हाथों में पीएम मोदी व उनकी मां हीरा बेन की पेटिंग लेकर पहुंचा, जिसमें पीएम मोदी अपनी मां हीरा बेन को हाथ जोड़कर प्रणाम कर रहे हैं और मां उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दे रही है। युवक काफी देर से पेटिंग दिखा रहा था, जिसे देख पीएम ने बीच में ही अपना भाषण रोका और एसपीजी टीम को कहा कि एक बच्चा मेरी फोटो लेकर आया है, बहुत देर से हाथ हिला रहा है उसके लेकर आओ। कहा बेटा फोटो के पीछे अपना नाम पता लिखकर कैमरा मैन को दे देना, आराम से बैठो मेरी चिठ्टी आएगी।

बुंदेलखंड में पानी समस्या का समाधान करने में जुटे है हम

बुंदेलखंड में पानी की समस्या का समाधान करने के लिए मोदी पूरी ईमानदारी से जुटा है। 45 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च कर केन-बेतवा लिंक परियोजना को पूरा कर रहे हैं। हर घर जल अभियान के तहत पानी पहुंचा रहे हैं।

मोदी आपके के बीच गारंटी लेकर आया है

देश में चारों तरफ निराशा का माहौल था। 2014 में मोदी आपके बीच एक उम्मीद लेकर आया था। 2019 में दोबारा आया तो विश्वास लेकर आया था। आज 2024 में मोदी आपके पास गारंटी लेकर आया है। मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरी होने की गारंटी। मोदी की गारंटी है कि गरीब, किसान, युवा व माताएं-बहनें हर लाभार्थी को शत प्रतिशत सुविधाएं मिलेगी।

ये चुनाव देश को दुनिया की बड़ी शक्ति बनाने का है

पीएम अपने संबोधन में यह भी कहा कि ये चुनाव केवल एक सांसद को चुनने का चुनने का नहीं बल्कि देश का चुनाव है। देश के भविष्य को सुनिश्चित करने का चुनाव है। ये चुनाव आने वाले 5 साल में दुनिया की बड़ी शक्ति बनाने का चुनाव है।

न्यूज फ्लैश

उत्पाद विभाग ने निरसा में छापेमारी कर किया मिनी नकली शराब फैक्टरी का उद्भेदन

धनबाद, सूत्रकार

उपायुक्त तथा वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लोकसभा चुनाव को देखते हुए उत्पाद विभाग के द्वारा लगातार नकली शराब फैक्टरी पर कारवाई जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को निरसा थाना क्षेत्र के गोरंगा बस्ती में उत्पाद विभाग और स्थानीय पुलिस के द्वारा अभियुक्त विकास साहनी के यहा छापेमारी की गई। जहा विकास साहनी अपने घर में मिनी नकली शराब फैक्टरी संचालित कर रहा था। उत्पाद आयुक्त संजय मेहता ने बताया की मिनी नकली शराब फैक्टरी का उद्भेदन करते हुए 4 लीटर कैरामील, 10 जरकिन स्प्रिट लगभग कुल 350 लीटर तथा विभिन्न ब्रांडो का बना हुआ 14 पेटी कुल 124 लीटर नकली शराब और भारी मात्रा में लेबल, कैप लगभग 3 लाख रुपए का बरामद किया गया। जबकि विकास साहनी के ऊपर लगभग चार मामले दर्ज हैं और वह फरार चल रहा हैं। इससे पहले भी उत्पाद विभाग उसके आवास पर छापेमारी की गई थी जिसमें काफी मात्रा में नकली शराब जप्त की गई थी। इस छापेमारी में उत्पाद विभाग के द्वारा अमित गुप्ता, जितेंद्र सिंह, कुलदीप, श्वेता, जय हेंब्रम तथा स्थानीय पुलिस के मदद द्वारा छापेमारी की गई है। फरार अभियुक्त विकास साहनी के ऊपर उत्पाद विभाग और स्थानीय पुलिस तहकीकात कर उसे पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

50 लाख से अधिक रुपए के साथ 7 लोगों को पुलिस ने पूछताछ के लिए थाने लाया

धनबाद, सूत्रकार

शुक्रवार को बैंक मोड़ स्थित एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक से बैंक मोड़ पुलिस ने सात लोगों को लाखों रुपए के कैश के साथ पूछताछ और जांच के लिए थाना लायी है। इसमें टीवीएस इंश्योरेंस कंपनी, मछली व्यवसाई और पेट्रोल पंप के कर्मचारी भी शामिल हैं।इंसोरेंस कंपनी के कर्मी के पास से 18 लाख रुपये, मछली व्यवसायी से 20 लाख रुपये जबकि पंप कर्मी के पास से पांच लाख रुपए मिले हैं। इधर मामले की खबर मिलने पर आईटी की टीम भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। सात लोगों से बरामद रकम 50 लाख रुपए से ऊपर हैं, जिनमे कई लोग जमा करने तो कई पैसा निकासी करने बैंक पहुंचे थे।पुलिस की इस कार्यवाही से व्यवसाईयों में आक्रोश है। व्यवसाईयों का कहना है की पुलिस बेवजह उन्हे परेशान कर रही है। पेट्रोल पंप मालिक का कहना है की आखिर डेली सेल का पैसा वे कहा जमा करेंगे और पैसा बैंक खाते में जमा नहीं करेंगे तो पेट्रोल पंप में तेल कैसे आएगा। यही स्थिति रही तो उन लोगों को पंप बंद करना पड़ेगा। पंप मालिक संजय सिंह ने बताया की पेट्रोलियम तेल के लिए बैंक में पैसा जमा करने के लिए स्टाफ को भेजा गया था, तभी बैंक से थोड़ी दूरी पर ही वह किसी कारणवश रुका तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उनके पास सारे दस्तावेज है, आईटी फाइल है और पैसे किस खाते में समय समय पर जमा होते रहे हैं इसकी पूरी डिटेल दिखाई जा रही है। पुलिस सभी पैसे जांच कर रही है। जांच में गलत पाए जाने पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। बरामद पैसों से संबंधित दस्तावेजो की जाँच के लिए इनकम टैक्स अधिकारी को बुलाया गया है।

कारमेल उच्च विद्यालय की छात्रा कोमल साह बनी कोल्हान टॉपर

चक्रधरपुर, सूत्रकार

झारखंड एकेडमिक काउंसिल दसवीं बोर्ड का रिजल्ट शुक्रवार को जारी हुआ। चक्रधरपुर के कारमेल उच्च विद्यालय की छात्रा कोमल साह ने 97।2 प्रतिशत अंक लाकर जैक बोर्ड के रिजल्ट में कोल्हान टॉपर के साथ-साथ जिला टॉपर बनी है।कोमल को कुल 486 अंक प्राप्त हुये हैं।इससे कारमेल उच्च विद्यालय के शिक्षकों के अलावे कोमल के परिजनों में खुशी की लहर है।कारमेल उच्च विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि कोमल ने कोल्हान व जिला टॉपर बनकर क्षेत्र का मान बढ़ाया है।यह हम सभी के लिए गौरव की बात है।कोमल की कड़ी मेहनत, लगन व शिक्षकों के मागदर्शन में ही उसने यह स्थान प्राप्त किया है। कोमल को हिन्दी विषय में 95, अंग्रेजी में 97, गणित में 99, विज्ञान में 99, सामाजिक विज्ञान में 96 अंक प्राप्त हुये हैं।

इधर कोमल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के अलावे कारमेल उच्च विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टर जगरानी व अन्य शिक्षकों के अलावे अपनी बुआ की बेटी को दिया।कोमल ने बताया कि कक्षा पांचवीं व छठवीं में वह पढ़ाई में उतनी बेहतर नहीं थी, लेकिन अपनी दूसरों बच्चों को पढ़ाई करता देख उसका भी पढ़ाई में मन लगने लगा और शिक्षकों ने भी भरपूर सहयोग किया।

कोमल ने बताया कि उसका सपना इंजीनियर बनना है।लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।उसने कहा कि बारहवीं की पढ़ाई विज्ञान से करने के बाद वह इंजीनियरिंग की तैयारी करना चाहती है।

चक्रधरपुर के पोटका निवासी कोमल के पिता विनोद साह धान खरीदारी इत्यादि का कार्य करते हैं।जबकि मां संजू देवी गृहणी है।परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। कोमल की बड़ी बहन नेहा साह पिछले दो वर्ष से बीमार चल रही है।इससे घर की आर्थिक स्थिति पूरी तरह बिगड़ गयी है।कोमल के पिता विनोद साह ने बताया कि उसकी बड़ी बेटी भी कारमेल उच्च विद्यालय की छात्रा थी।वह भी पढ़ने में काफी तेजी थी। दो साल पहले ब्रेन हेम्ब्रेज के कारण परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा।बड़ी बेटी के ईलाज में ही जमा पैसे खर्च हो गये। अब भी बेटी का ईलाज चल रहा है।

विनोद साह ने बताया कि छोटी बेटी कोमल पढ़ने में काफी तेज है। बेटी भविष्य जिनता भी पढ़ना चाहेगी, पढ़ाने की पूरी कोशिश करुंगा। सरकार से भी बेटी को पढ़ाई में मदद मिले तो बेहतर होगा।वहीं कोल्हान टॉपर कोमल ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से वह अलग से ट्यूशन नहीं पढ़ पाती थी। घर में पूरी लगन के साथ पढ़ाई करती थी। विद्यालय के शिक्षकों से ही उसे काफी मदद मिलता था।

चक्रधरपुर के कारमेल उच्च विद्यालय का रिजल्ट इस वर्ष शत-प्रतिशत हुआ है। पिछले वर्ष भी इस विद्यालय से जैक बोर्ड की परीक्षा में एक छात्रा जिला टॉपर बनी थी।कारमेल उच्च विद्यालय का रिजल्ट शत प्रतिशत होने पर प्रचार्या सिस्टर जगरानी ने कहा कि इस वर्ष विद्यालय से कुल 190 विद्यार्थियों ने मैट्रिक की परीक्षा दी थी। इसमें से 162 प्रथम व 28 द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुये हैं।इसमें छात्रा कोमल साह ने 97।20 प्रतिशत, अरुण संवैया ने 93 प्रतिशत, मुन्ना जामुदा ने 93 प्रतिशत व पुष्पा सोय ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया है। इसके लिए विद्यालय की सभी शिक्षिका भी बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से छात्रों की तुलना छात्राएं बाजी मार रही है।

शारदा हाई स्कूल बाइडीह का शत प्रतिशत रहा परिणाम

चाईबासा, सूत्रकार

पश्चिम सिंहभूम के शारदा हाई स्कूल बड़दा बाइडीह चक्रधरपुर का जैक 10वीं बोर्ड परिणाम इस साल बेहतर रहा। कुल 100 विद्यार्थी इस पर दसवीं की परीक्षा में शामिल थे। जिसमें सभी विद्यार्थी सफल हुये। प्रथम श्रेणी में 94 विद्यार्थी सफल हुये। जबकि सेकेंड डिवीजन प्राप्त किये। सबसे अधिक आकृति साहु ने 500 में से 476 अंक हासिल कर स्कूल टॉपर बनी। जबकि विनायक मुंडा ने 94।6 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल का सेकेंड टॉपर बना। इसी तरह जयंती महतो 94।4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर थर्ड टॉपर बनी। स्कूल प्रधानाध्यापक भजन लाल महतो ने कहा कि मैट्रिक का परिणाम इस बार बेहतर रहा। शत प्रतिशत सफलता प्राप्त हुये। उन्होंने सभी सफलता प्राप्त विद्यार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना की।

इंडिया महागठबंधन ने समन्वय बैठक कर दिखाई अपनी एकजुटता और ताकत

डैम के मुद्दे पर भाजपा कर रही गुमराह : बंधु

चाईबासा, सूत्रकार

शुक्रवार को कांग्रेस भवन चाईबासा में इंडिया महागठबंधन की समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई।यह बैठक आयोजित कर महागठबंधन ने आपसी एकजुटता और अपनी ताकत दिखाई।कांग्रेस जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर दास की अध्यक्षता में हुई बैठक में गठबंधन दल (कांग्रेस+झामुमो+राजद) में एकजुटता दिखी। बैठक में कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बंधु तिर्की,चाईबासा विधायक सह झारखंड राज्य के मंत्री दीपक बिरूवा, चक्रधरपुर विधायक सह झामुमो जिलाध्यक्ष सुखराम उरांव, मनोहरपुर विधायक सह सिंहभूम लोकसभा महागठबंधन प्रत्याशी जोबा माझी,मझगांव विधायक निरल पुरती और तीनों घटक दल के जिला कमेटी, प्रखंड कमेटी और विभिन्न अग्रणी मोर्चा संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।इस बैठक में आगामी 21 अप्रैल को होनेवाले उलगुलान रैली और 23 अप्रैल को महागठबंधन प्रत्याशी जोबा माझी के नामांकन के दिन होनेवाले प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ठोस रणनीति बनाई गई और तय किया गया कि आगामी दिनों में जिला से लेकर पंचायत स्तर पर जोरदार और आक्रमक तरीके से प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा और क्षेत्र की जनता को बताया जाएगा कि भाजपा किस तरह असल मुद्दों से ध्यान भटकाती और जनता को दिग्भ्रमित कर ठगने का काम कर रही है।बैठक में उपस्थित मंत्री और विधायकों ने एक स्वर में कहा कि आज देश में महंगाई, बेरोजगारी और देश की सरकारी संस्थाओं को बचाना मुख्य मुद्दा है।भाजपा के इन 10 सालों के शासनकाल में युवा, महिला, किसान और आदिवासी,दलित,पिछड़ी जाति के लोगों पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुए हैं। इन सभी वर्गों ने जब भी अपने अधिकारों की मांग केंद्र सरकार से की ,बदले में सत्ता के नशे में चूर और घमंड भाजपा सरकार ने इनके ऊपर लाठी,डंडा और गोलियां ही बरसाने का काम किया है। भाजपा के तानाशाही नितियों से देश की जनता में काफी आक्रोश में है और सिंहभूम की जनता भाजपा के तानाशाही नितियों का जवाब आनेवाले 13 मई को महागठबंधन के प्रत्याशी जोबा माझी के पक्ष में वोट देकर देगी जिसका परिणाम आगामी 4 जून को देखने को मिलेगा जब भारत देश में भाजपा को शिकस्त देकर महागठबंधन अपनी सरकार बनाएगी।

कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बंधु तिर्की ने ईचा डैम के मुद्दे पर कहा कि यहां के लोग काफी सीधे और भोले-भाले हैं इसलिए भाजपा यहां के लोगों को दिग्भ्रमित न करे, ईचा डैम परियोजना केंद्र सरकार की योजना है केंद्र चाहे तो इसे बंद कर दे। चुनाव के बाद महागठबंधन की सरकार बनेगी तो इस पर ठोस निर्णय लिया जाएगा। इसलिए लोग बीजेपी के चिकनी- चुबड़ी बातों में न आएं ,ये लोग बोलते कुछ और हैं- करते कुछ और हैं।

महागठबंधन की प्रत्याशी जोबा माझी ने कहा कि हम सभी को एकजुटता का परिचय देते हुए हमारे जल ,जंगल और जमीन को बचाने की आवश्यकता है क्योंकि यही हमारी पहचान है। लेकिन अगर बीजेपी दोबारा सत्ता में आएगी तो हमारे को ही मिटा देगी और यहां के जल, जंगल और जमीन पर अधिकार बीजेपी अपने चंद पूंजीपतियों के हाथों में सौंप देगी।बैठक में देवेंद्र नाथ चांपिया, सुनीत शर्मा,रंजन बोयपाई,राजकुमार रजक,प्रीतम बांकिरा,सोनाराम देवगम, मोनिका बोयपाई,दीपक प्रधान, सुनील सिरका,अंबराय चौधरी, देवराज चातर , भूवनेश्वर महतो, रितेश तमसोय, सौरभ अग्रवाल, नितिमा बारी,नूतन बिरुआ, नूतन ज्योति सिंकु,अनिता सुब्रुई, राजेश शुक्ला कृष्णा सोय, मासूम रजा, तोहिद आलम, दिकू संवैया, सिकूर गोप, शैलेश गोप, मंजीत प्रधान, ललित दोराईबुरू, रमेश ठाकुर , अजय कुमार, राहुल आदित्य, सुरेश संवैया, रूपेश पुरती, विजय सामड, अनुप्रिया सोय,शेखर बारिक, अविनाश कोड़ा,प्रतीक कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झामुमो ने सिंहभूम के आम अवाम की भावनाओं का राजनीतिक दोहन किया है : सुदेश महतो

चाईबासा, सूत्रकार

साढ़े चार साल से सत्ता का सुख भोग रहे झारखंड मुक्ति मोर्चा लोकसभा चुनावों में जनता के सामने विकास का कोई एक उदाहरण पेश करने की स्थिति में नहीं हैं। और न ही इनके पास राज्य के प्रमुख विषयों पर कई सोच अथवा स्पष्ट विचार है। लोगों की भावनाओं को कुरेद कर राजनीति करना ही जेएमएम की मंशा रही है। लोकसभा चुनावों में करारी हार के लिए जेएमएम और कांग्रेस दोनों को तैयार रहना चाहिए।

यह बातें आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने चाईबासा स्थित गांधी मैदान में आयोजित सिंहभूम लोकसभा स्तरीय ग्राम प्रभारी सम्मेलन में कही। इस सम्मेलन में लोकसभा क्षेत्र के सभी केंद्रीय पदाधिकारी, केंद्रीय सदस्य, जिला कमिटी, जिला के सभी प्रखंड प्रभारी एवं क्षेत्र के सभी इकाइयों के प्रखण्ड अध्यक्ष, सचिव तथा पंचायत एवं ग्राम प्रभारियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर सिंहभूम क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के सैकड़ों कार्यकताओं और कई समाजसेवियों ने आजसू का दामन थामा।

सुदेश कुमार महतो ने कहा कि सरकार ने चार सालों में राज्य की खान संपदा को लूटने और लूटने वालों को संरक्षण देने का काम किया है। नियोजन, विस्थापन और स्थानीय नीति का वादा कर सत्ता में आए लोग एक भी नीति नहीं बना पाए। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की राजनीति का इतिहास पलट कर देख लीजिये, इसमें कहीं झारखंडियों का भला करने की मंशा नहीं दिखेगी। झामुमो में विरासत की राजनीति हावी है। अब एनडीए की एकजुटता के सामने अवसरवादी गठबंधन का टिक पाना मुश्कल होगा।

आजसू के इस सम्मेलन में सिंहभूम से एनडीए की उम्मीदवार गीता कोड़ा भी उपस्थित रही। सुदेश महतो ने कार्यकर्ताओं को उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश दिए साथ ही उन्होंने गीता कोड़ा के ऐतिहासिक जीत के लिए लोगों से आह्वान किया।

मौके पार्टी के प्रधान महासचिव राम चन्द्र सहिस ने कहा कि आजसू के नेतृत्व ने झारखंडियों को राजनीतिक और सामाजिक न्याय देने का काम किया है। यह चुनाव ऐतिहासिक होगा। राज्य की जनता ने सभी 14 सीटों पर एनडीए को जिताने का निश्चय किया है। आने वाले 13 मई को सिंहभूम के मतदाता अपने मत का प्रयोग कर गीता कोड़ा को विजयी बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने का काम करेंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचन्द्र सहिस, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, उपाध्यक्ष स्वप्न सिंहदेव, महासचिव हरेलाल महतो, रीना गोडसारा, रविशंकर मौर्य, सचिव सत्यनारायण महतो, नन्दलाल बिरूवा, बिरसा मुण्डा, मंगल सुरिन, सिद्धार्थ महतो, प० सिंहभूम जिलाध्यक्ष रामलाल मुण्डा, सरायकेला जिलाध्यक्ष सचिन महतो, नन्दू पटेल, सुजीत गिरी, अमित महतो, जितेंद्र सिंह इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

भाजपा संविधान का अपने हिसाब से संशोधन करना चाहती है : सन्नी सिंकु

चाईबासा, सूत्रकार

भाजपा आरएसएस आदिवासी, दलित, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों से घृणा करती है। इसलिए भाजपा अंबेडकर द्वारा ड्राफ्ट की गई भारत का संविधान को संशोधन करना चाहती है। क्योंकि आरएसएस भाजपा बराबरी नहीं चाहती है। यह प्रतिक्रिया झारखंड पुनरूत्थान अभियान के मुख्य संयोजक सन्नी सिंकु ने कही। उन्होंने कहा कि इस बात को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस वक्तव्य से सहज ही समझा जा सकता है। जिस वक्तव्य में उन्होंने संविधान सभा के 80 से 90 प्रतिशत सनातनी होने का दंभ भरते है। पीएम के उस वक्तव्य में भी आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक जो संविधान सभा के लिए निर्वाचित हुए थे,उनको संबोधित करना उचित नहीं समझा। इसीलिए रह रहकर भाजपा सांसद और उनके पूर्व मंत्री संविधान को संशोधन करने की वकालत करते रहे। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन बिबेक देबरॉय ने तो मिंट अखबार में भारत की नई संविधान पर आधारित लेख लिख डाली। वो भी स्वतंत्रता दिवस के पहले दिन, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी ने उस समय कोई प्रतिक्रिया नहीं दिया था। साथ ही भाजपा के पूर्व मंत्री अनंत कुमार हेगड़े और भाजपा उम्मीदवार ज्योति मिर्धा की वक्तव्य को याद रखना जरूरी है।

इसलिए इस बार का लोकसभा चुनाव भारत का संविधान बचेगा या नहीं पर आधारित है ! सिंहभूम संसदीय क्षेत्र के सभी उम्मीदवार आदिवासी है। कयोंकि यह चुनाव क्षेत्र आदिवासियों के लिए आरक्षित है। भाजपा कहीं न कहीं आदिवासी,दलितों के लिए भारत का संविधान के द्वारा प्रदान की गई आरक्षण से घृणा करती है। कयोंकि आदिवासी,दलितों को बराबरी में देखना नहीं चाहती है। इसका बढ़िया उदाहरण नई संसद भवन के उद्घाटन, राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा,लालकृष्ण अडवाणी को भारत रत्न प्रदान करने के समय महामहिम राष्ट्रपति का आदिवासी होने के कारण उनकी अपमान को कैसे भुलाया जा सकता है ? भाजपा का आदिवासी प्रेम और सोशल इंजीनियरिंग सिर्फ प्रतीक मात्र है। इसलिए सिंहभूम संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं से खासकर आदिवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक वर्गों से हम अपील करना चाहते है। हम अपना वोट का शक्ति को पहचाने। और गुप्त मतदान का उपयोग सोच,समझ और ठीक से विचार करके करें, ताकि हम अपने साथ ही आने वाले पीढ़ी के लिए बेहतर सोच और विचार वाली सरकार का निर्माण करने की महती भूमिका निभा सकें।

झामुमो सरकार ने गुंडागर्दी व भ्रष्टाचार के अलावे कुछ नहीं किया : गीता कोड़ा

चाईबासा, सूत्रकार

भाजपा प्रत्याशी व सांसद गीता कोड़ा ने शुक्रवार सुबह सदर प्रखंड के गितिलपी के सरजोमगुटू टोले में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान ग्रामीणों के साथ बैठक कर अपने विचार रखा और 13 मई को भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। उन्होंने झामुमो पर निशाना साधते हुए कहा कि झामुमो व उनके सहयोगियों को जनता ने पूर्ण बहुमत देकर सत्ता की बागडोर सौंपी थी। लेकिन वे जनता की कसौटी पर खरा नहीं उतरे। सत्तारुढ़ झामुमो केवल गुंडागर्दी व भ्रष्टाचार में व्यस्त है। झामुमो ने ऐसा कोई कार्य नहीं किया जो दिखे। उल्टे हार के डर से केंद्रीय योजनाओं को लटकाने में उतारू है। लेकिन जनता जनार्दन समझदार है और इस चुनाव में झामुमो को इसका जवाब देगी। गीता कोड़ा ने कहा कि इस जिले में जनजातीय व अन्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिये सारे प्रखंडों में मोदी सरकार द्वारा एकलव्य मॉडल स्कूल खोले जा रहे हैं। गृहणियों की सुविधा के लिये मोदी सरकार ने उज्ज्वला योजना, पांच लाख तक के फ्री इलाज के लिये आयुष्मान कार्ड, किसानों को सलाना छह हजार की आर्थिक मदद, महिला समूहों को उनके खाते में पैसे भेजा जा रहा है। ताकि महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण हो सके। इस मौके पर जगराम सावैयां, जगन्नाथ करजी, प्रदीप करजी, बबलू करजी, रोबिन सावैयां, सुमित्रा सावैयां, निराशा सावैयां, दमयंती सावैयां, शकुंतला सावैयां, सरस्वती सावैयां, उर्मिला बोयपाई, सुषमा दूवी, जानकी गोप, तुलसी गोप, साहिल गोप, अनिता हेंब्रम, सोमवारी सावैयां, जोंगा गोप, आरती करजी, कविता गोप, सुशांति गोप, सुखमती पुरती, आशा कुमारी, सविता गोप आदि मौजूद थे।

अनुपमा को प्रत्याशी बनाये जाने के विरोध में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने दिया इस्तीफा

लोयाबाद/जोड़ापोखर, सूत्रकार

धनबाद लोकसभा क्षेत्र की प्रत्याशी के रूप में अनुपमा सिंह की नाम के घोषणा के बाद से पार्टी के अंदर ही उठे विरोध का स्वर अब और तेज होने लगा है। शुक्रवार को एक ओर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारिणी सदस्य सह इंटक के राष्ट्रीय सचिव ललन चौबे ने अनुपमा को प्रत्याशी घोषित करने से नाराज होकर समर्थकों के साथ प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेज दिया है तो दूसरी ओर धनबाद विधानसभा क्षेत्र के गड़ेरिया में ग्रामीणों ने विरोध जता कर स्थानीय प्रत्याशी देने की मांग की है। इस बाबत बताया जाता है कि जिस दिन अनुपमा के नाम की घोषणा हुई उसी दिन से विरोध शुरू हो गया था। शुक्रवार को ललन चौबे ने भागा कोल बोड कॉलोनी स्थित आवास पर प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। इस दौरान श्री चौबे ने बताया कि अनुपमा सिंह एक घरेलू महिला हैं, जिसको राजनीति की समझ नहीं है। उन्होंने उमीदवार के पति विधायक अनुप सिंह व ससुर मजदूर नेता स्व राजेन्द्र सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा की अनूप सिंह ने असम के मुख्यमंत्री से मिल कर प्रदेश सरकार को गिराने का प्रयास किया था, देखा जब पकड़े जाएंगे तो खुद कुछ लोगो पर मामला दर्ज करवा दिया। इसके अलावे श्री चौबे ने मजदूर नेता सह पूर्व मंत्री स्वर्गीय राजेन्द्र प्रसाद सिंह पर भी कई गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह पूरी तरह से मजदूर विरोधी नेता थे। दूसरी ओर प्रत्याशी अनुपमा सिंह और उनके पति सह बेरमो विधायक अनूप सिंह शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता शमशेर आलम के आवास शालीमार पहुंचे। यहां पत्रकारों के सवालों के जवाब में अनूप ने कहा कि ललन चौबे और ढुल्लू महतो में कोई फर्क नहीं है। वह पार्टी विरोधी कार्य करते है। उनपर व उनके पिता पर लगाये गए सभी आरोप झूठे हैं। वहीं गड़ेरिया के कांग्रेस समर्थित ग्रामीणो ने शुक्रवार को अनुपमा सिंह का विरोध करते हुए लोकल प्रत्याशी देने की मांग की।सैकड़ो के संख्या मे जुटे ग्रामीणो ने हाथो मे तख्तियां लिये प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के खिलाफ जमकर नारे लगाये। कहा कि वर्षो से जो कार्यकर्ता कांग्रेस के झंडे उठा रहे हैं,प्रदर्शन कर रहे हैं, जेल जा रहे हैं,उनमें से प्रत्याशियों को नहीं चुना गया,बल्कि बाहरी प्रत्याशी को टिकट दे दिया गया।बाहरी प्रत्याशी देने का परिणाम पिछ्ला लोकसभा चुनाव मे देखने के बाद भी पुनः बाहरी प्रत्याशी देना समक्ष से परे है। ग्रामीणो ने सांठगांठ कर प्रदेश प्रभारी व अध्यक्ष राजेश ठाकुर पर टिकट बेचने का आरोप लगाया।ग्रामीण फरीद अंसारी,आरती देवी,मंजू देवी,विष्णु सहित ग्रामीणो ने कहा कि पार्टी आलाकमान अपने फैसले पर पुर्नविचार कर लोकल प्रत्याशी धनबाद से दे नही तो इस बार पुरा गांव के लोग विकल्प के रूप मे नोटा का चुनाव करेगे।

अब ढुल्लू और अनुपमा के सामने विक्षुब्धों को साधने की है चुनौती

धनबाद, सूत्रकार

धनबाद लोकसभा क्षेत्र में मतदान होने में अभी एक महीने से ज्यादा का समय बचा हुआ। फिलहाल धनबाद लोकसभा क्षेत्र में हमेशा की तरह इस बार भी दोनों राष्ट्रीय पार्टी भाजपा और कांग्रेस के बीच ही सीधा मुकाबला होना तय माना जा रहा है। दोनों पार्टियों ने अपने अपने प्रत्याशी भी घोषित कर दिए है। इसी बीच दोनों पार्टियों द्वारा प्रत्याशी घोषित करने के बाद से ही पार्टी के अंदर विरोध के स्वर भी उठने लगे। हालांकि भाजपा में ढुल्लू महतो को प्रत्याशी बनाये जाने पर सामने आकर किसी नेता या कार्यकर्ता ने इसका विरोध नहीं किया पर अंदरखाने में ही कई सामिकरण बनने शुरू हो गए। ढुल्लू के प्रत्याशी बनाये जाने से पार्टी के कोर वोटरों के एक बड़े तबके की नाराजगी की बात कही जा रही है। यह नाराजगी सोसल मीडिया से लेकर चौक चौराहों तक देखने को मिली। वहीं कांग्रेस द्वारा मंगलवार को अनुपमा सिंह को प्रत्याशी बनाये जाने से नाराज नेता व कार्यकर्ता सोसल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर पर इसका विरोध करने लगे हैं। इस्तीफों का भी दौर शुरू हो गया है। ऐसे में अब ढुल्लू और अनुपमा के सामने विक्षुब्धों को साधने की बड़ी चुनौती रहेगी और इसमें जो ज्यादा सफल होगा उसी के माथे धनबाद सांसद का ताज सजेगा।

ढुल्लू और अनुपमा के प्रत्याशी बनने के बाद दोनों ही पार्टी में मचे घमासान से दोनों प्रत्याशी भली भांति वाकिफ है। अनुपमा ने तो पहले दिन से ही विक्षुब्धों को साधने के साथ ढुल्लू पर तीखा हमला शुरू कर दिया था तो दूसरी ओर ढुल्लू अपने तूफानी

जनसंपर्क अभियान के साथ पार्टी के वरीय नेताओ से भी मिलकर आशीर्वाद मांगने में जुट गए हैं। अनुपमा प्रत्याशी बनने के बाद पहली बार धनबाद आयी तो मन्नान मल्लिक,रघुलुल आवास,ब्रजेन्द्र सिंह, मजदूर नेता स्व बीपी सिन्हा, रणविजय सिंह के घर जाकर आशीर्वाद लिया तो इन सब के अलावे धनबाद के शहरी क्षेत्र में रामनवमी के दौरान कई सामाजिक संस्थाओं के मंच को भी साझा किया। दूसरे दिन ढुल्लू महतो के लिए परेशानी का सबब बन रहे सरयू रॉय से उनके आवास जमशेदपुर पहुंच अनुपमा ने अशीर्वाद मांगा। वहीं ढुल्लू भी टिकट मिलने के बाद सबसे पहले निवर्तमान सांसद पीएन सिंह से आशीर्वाद लेने पहुंचे, इसके बाद वे सीधे हर विधानसभा में जाकर जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया। इस दौरान वे पार्टी के नेता, कार्यकर्ता सहित व्यव्सायी वर्ग के लोगों से उनके घर जाकर आशीर्वाद मांगा। वहीं गुरुवार को ढुल्लू बोकारो विधायक विरंची नारायण के साथ धनबाद विधायक राज सिन्हा के घर पहुंचे और चुनाव पर चर्चा की।

शुक्रवार को कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह समरेश की बहू सह कांग्रेस नेत्री श्वेता संग्राम सिंह से मिलने बोकारो उनके आवास पहुंची और उनसे अशीर्वाद लिया तो दूसरी ओर ढुल्लू महतो समरेश सिंह के जीवनकाल में उनके करीबी रहे झरिया के फुसबंग्ला निवासी महेंद्र सिंह मीनू से उनके आवास पर मुलाकात की और आशीर्वाद लिया। वैसे तो ढुल्लू महतो के नाम की घोषणा पार्टी ने 24 मार्च को ही प्रत्याशी के रूप में कर दी थी तब से ढुल्लू लगातार जनसंपर्क अभियान में लग गए थे और पार्टी नेताओं से लेकर कईयों से मिल आशीर्वाद मांग रहे थे, पर जबसे कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी को मैदान में उतारा है तब से ढुल्लू भी पुराने दिग्गजों से आशीर्वाद लेने लगातार पहुंच रहे हैं।

भले ही भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो और कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह पार्टी के अंदर और बाहर सभी का समर्थन होने की बात कह रहे हों। पर सच्चाई उन्हें भी पता है। इसकी बानगी राजनीतिक पंडितों को देखने को भी मिल रहा है। इनकी माने तो कांग्रेस में प्रत्याशी का विरोध या अंतर्कलह कोई नहीं बात नहीं है पर धनबाद भाजपा में पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है। पार्टी आलाकमान के निर्णय से स्थानीय नेता व कार्यकताओं का एक खेमा असमंजस में पड़ गया है।

न्यूज फ्लैश

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर आपत्तिजनक बयान देने के एक और केस में बाबूलाल को हाईकोर्ट से राहत

रांची, सूत्रकार

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके पारिवारिक सदस्यों के खिलाफ बयानबाजी से जुड़े एक और मामले में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को झारखंड हाईकोर्ट से राहत मिल गयी है। न्यायाधीश अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट ने अगली सुनवाई तक बाबूलाल के खिलाफ किसी भी पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है। उनकी ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव और पार्थ जालान ने बहस की। दरअसल बाबूलाल मरांडी पर एक यूट्यूब चैनल में दिये बयान पर आपत्ति जताते हुए छह अलग अलग जिलों में उनको आरोपी बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। एक मामला रामगढ़ थाने में भी दर्ज हुआ था। जिसके खिलाफ ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गयी थी। पूर्व में सिमडेगा थाना में दर्ज कांड संख्या 104/2023 में बाबूलाल को हाईकोर्ट से राहत मिल चुकी है।

बिल्डर कमल भूषण व अकाउंटेंट की हत्या के आरोपी डब्लू कुजूर को बेल देने से कोर्ट का इनकार

रांची, सूत्रकार

रांची के जाने-माने बिल्डर और जमीन कारोबारी कमल भूषण और उसके अकाउंटेंट संजय कुमार की हत्या के आरोपी डब्लू कुजूर को रांची सिविल कोर्ट ने बेल देने से इनकार कर दिया है। डब्लू कुजूर की जमानत याचिका पर रांची सिविल कोर्ट के अपर न्याययुक्त एम सी झा की कोर्ट में सुनवाई हुई। बता दें कि कमल भूषण की 30 मई 2022 को गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। वही उनके अकाउंटेंट संजय की हत्या 5 जुलाई 2023 को की गयी थी। दोनों ही हत्याओं में डब्लू कुजूर आरोपी है।

पीएलएफआई सदस्य विनोद मुंडा से एनआईए कर रही पूछताछ

रांची, सूत्रकार

झारखंड समेत कई राज्यों में लेवी वसूली के मामले में एनआईए पीएलएफआई के सक्रिय सदस्य विनोद मुंडा से पूछताछ कर रही हैं। एनआईए की रांची ब्रांच की टीम ने विनोद मुंडा को पांच दिनों की रिमांड पर लिया है और पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि बीते 11 अप्रैल को टेरर फंडिंग मामले में उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के खिलाफ जांच कर रही एनआईए ने झारखंड के दो और असम के दो यानी कुल चार ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान एनआईए ने झारखंड के खूंटी जिले से विनोद मुंडा को गिरफ्तार किया था। वह पीएलएफआई के सशस्त्र मारक दस्ते का सक्रिय सदस्य है। विनोद मुंडा झारखंड के थानों में दर्ज चार कांडों का वांछित था। एनआईए ने जांच में पाया है कि उग्रवादी संगठन पीएलएफआई को मजबूत बनाने के लिए संगठन के उग्रवादी विभिन्न कोयला कारोबारियों, ट्रांसपोर्टरों, रेलवे ठेकेदारों, व्यवसायियों आदि से लेवी वसूल रहे थे। लेवी वसूलने के लिए ये उग्रवादी झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कारोबारियों-व्यवसायियों को अपना निशाना बना रहे थे। झारखंड समेत कई राज्यों में लेवी वसूली मामले में एनआईए की जांच जारी है।

कार की चपेट में आने से महिला की मौत

हटिया, सूत्रकार

तुपुदाना ओपी क्षेत्र के पुराना टीओपी के पास शुक्रवार की कार (जेएच-01एपी-9707) की चपेट में आने से तुपुदाना निवासी महिला रीता प्रसाद (54) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस में शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। महिला के पति दुर्गा प्रसाद के अनुसार उनकी पत्नी दूध लेकर घर आ रही थी। इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज गति से आ रही कार ने चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर ही पत्नी की मौत हो गयी। तुपुदाना पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

सरकारी उपेक्षा का शिकार है हफुआ-तरंवा में ईख उत्पादन

पिपरवार, सूत्रकार

सरकार की उपेक्षा के कारण हफुआ-तरवां में ईख उत्पादन में 75 प्रतिशत तक की कमी आयी है। कच्ची नहर का आधा पानी रास्ते में बर्बाद हो जाने से खेतों को पानी नहीं मिल पा रहा है। इसकी वजह से अब किसान सिर्फ 25 फीसदी खेतों में ही ईख लगा रहे हैं। जानकारी के अनुसार कोयलांचल का हफुआ-तरवां गांव में बना गुड़ काफी मशहूर है। यहां का बना गुड़ लोगों को खूब पंसद है। 10 वर्ष पूर्व व्यापारी यहां से गुड़ ले जाते थे। इससे लगभग 550 किसान आत्मनिर्भर थे। पर इधर, इसकी खेती में कमी आने की वजह से यहां के लोगों की आमदनी भी घट गयी है। जानकारी के अनुसार उक्त गांव की खेतों को हिंगवाही झरना का आशीर्वाद प्राप्त है। इस पानी से सैकड़ों एकड़ खेतों की सिचाई होती थी। किसान पहाड़ से निकलने वाले इस झरने का पानी वर्षों से खेतों को पटाने में करते हैं। यह पानी पांच किमी लंबी कच्ची नहर के माध्यम से आता है। इससे आधा पानी रास्ते में ही बर्बाद हो जाता है। किसान झरने के पानी का 100 फीसदी उपयोग नहीं कर पाते हैं। इसके जीर्णोद्धार पर सरकार का अब तक ध्यान नहीं गया है और न ही प्रखंड के अधिकारी इसकी सुध लेते हैं। इस संबंध में ग्रामीण युवक गुलाब महतो ने बताया कि 10 वर्ष पूर्व सीसीएल ने सीएसआर योजना के तहत इस कच्ची नहर को 300 मीटर तक बड़े-बड़े पत्थरों से पक्का कर दिया था। निर्माण कार्य सही नहीं होने की वजह से इसके दरार से पानी बह कर बर्बाद हो रहा है। अब किसानों को पहले जैसा पानी नहीं मिल पा रहा है। इससे गन्ना के अलावा धान, गेहूं, सब्जियों की पैदावार भी घटा है। गुलाब महतो ने बताया कि इस लोकसभा चुनाव में भी नहर को पक्कीकरण करने का मुद्दा उठाया जायेगा। यदि इस नहर का पक्कीकरण हो जाये तो यहां के किसान पहले की तरह खुशहाल हो जायेंगे।

रांची के पहाड़ी मंदिर में बनेगा शिव परिक्रमा पथ, मृग विहार बनाने की भी योजना

रांची, सूत्रकार

राजधानी रांची के ऐतिहासिक पहाड़ी स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना के बाद भक्तों को मंदिर की परिक्रमा करने की सुविधा जल्द मिलने वाली है। इसके लिए पहाड़ी मंदिर विकास समिति ने शिव परिक्रमा पथ के निर्माण का फैसला लिया है। साथ ही योजना के लिए डीपीआर बनाने का निर्देश भी दे दिया गया है। पहाड़ी मंदिर विकास समिति के सचिव और झारखंड राज्य हिन्दू धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्य राकेश कुमार सिन्हा ने इसकी जानकारी दी है। राकेश कुमार सिन्हा ने बताया कि पहाड़ी मंदिर के सौंदर्यीकरण के साथ साथ मृग विहार बनाने की भी योजना है। रांची विश्वविद्यालय में भूगर्भ शास्त्र के प्रोफेसर डॉ नीतिश प्रियदर्शी कहते हैं कि जिस पहाड़ी पर भगवान भोलेनाथ विराजते हैं वह करीब 350 फीट ऊंची पहाड़ी हिमालय से भी पुरानी है। खोंडालाइट पत्थर से बना यह पहाड़ धरती की उत्पत्ति का इतिहास भी अपने आप में समेटे हुए हैं। समुद्रतल से करीब 2140 फीट ऊंची इस पहाड़ी का पत्थर अब भुरभुरा हो गया है और इसके संरक्षण की जरूरत है। शिवरात्रि के दिन मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन पहाड़ी मंदिर के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उस दौरान मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की थी कि सरकार ऐसी व्यवस्था करने जा रही है कि पहाड़ी की चोट पर अवस्थित भगवान भोलेनाथ के मंदिर तक बुजुर्ग भी पहुंच सकें। उन्होंने कहा था कि बुजुर्ग और दिव्यांग चाह कर भी चोटी पर स्थित भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग का दर्शन नहीं कर पाते हैं। ऐसे में सरकार ऐसी व्यवस्था करना चाहती है कि सभी लोग भगवान भोलेनाथ का दर्शन कर सकें। पहाड़ी मंदिर विकास समिति के सचिव राकेश सिन्हा ने बताया कि पहाड़ी मंदिर के संरक्षण के लिए जहां पहाड़ी के चारों ओर गार्डवॉल बनाया जाएगा, वहीं पहाड़ी मंदिर के पहाड़ों पर मिट्टी का अपरदन रोकने के लिए सघन पौधरोपण किया जाएगा।

उपायुक्त ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर किया बैठक

देवघर, सूत्रकार

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विशाल सागर के निर्देशानुसार स्वीप कार्यक्रम के तहत शत प्रतिशत मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने एवं लोकसभा आम चुनाव में शत प्रतिशत मतदान को लेकर आज को सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री नरेश रजक की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन प्रखंड कार्यालय के सभागार में किया गया। इस दौरान लोकसभा आम चुनाव, 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से किए जाने वाले कार्यों को लेकर बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजरों को 10 अप्रैल से 04 मई तक चल रहे विशेष अभियान के तहत शत प्रतिशत मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान सहायक निर्वाची पदाधिकारी ने सभी बीएलओ व बीएलओ सुपरवाइजर को अपने अपने क्षेत्रों में जागरुकता अभियान चलाने का निर्देश दिया।

सासाराम से रांची लाकर ब्राउन शुगर बेचने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार

रांची, सूत्रकार

सासाराम से रांची लाकर ब्राउन शुगर बेचने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार हुआ है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान रातू रोड स्थित आकाशवाणी के पास से गिरोह के सरगना पिंटू साह को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से पुलिस ने 26 ग्राम ब्राउन शुगर समेत कई अन्य सामान बरामद किये हैं। शुक्रवार को अपने ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसएसपी चंदन सिन्हा ने यह जानकारी दी। पूछताछ के क्रम में पिंटू साह ने बताया गया कि उसके गिरोह के लोग सासाराम से रांची में ब्राउन शुगर की सप्लाई करते हैं, और बीच-बीच में खुद रांची लाकर भी देते हैं। आज भी कुछ लोगों को सासाराम से रांची में ब्राउन शुगर लेकर देने आया था। इसी दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

इटकी के गुलजारबाग में स्वास्थ्य जांच शिविर

इटकी, सूत्रकार

टखटा कैंसर हॉस्पीटल एंड रिसर्च सेंटर, कांके के तत्वाधान में शुक्रवार को गुलजार रोड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में गैर संचारी रोग जांच सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिला एवं पुरुषों के स्वास्थ्य की जांच की गयी। इस दौरान सुगर, बीपी की जांच की गयी। महिलाओं को स्तन तथा गर्भाशय कैंसर के शुरुआती लक्षण की जानकारी दी गयी। वहीं पुरुषों को गुटका तथा नशापान से परहेज करने की सलाह दी गयी। कार्यक्रम में टाटा कैंसर हॉस्पीटल, रांची की डॉ गरिमा सिंह, प्रोग्राम को-ऑडिनेटर भुपेन्द्र सिंह, नर्स शिल्पा संगमा, पीएचसी इटकी की एएनएम निरोज मिंज, सबिता मिंज, सहिया श्वेता मिंज, सेविका प्रमीला सिन्हा, कमरून, सहायिका हुस्नआरा आदि मौजूद थे।

473 अंक लाकर अलीशा व प्रिया बनी कार्मेल स्कूल की टॉपर

बेहतर शिक्षा के लिए अनुशासन जरूरी : सिस्टर अनिता

रांची, सूत्रकार

कार्मेल गर्ल्स हाई स्कूल सामलोंग स्कूल कि छात्राओं का बेहतर प्रर्दशन रहा। स्कूल कि छात्रा अलीशा परवीन व प्रिया कुमारी दोनों ने 473 अंक लाकर 94.60 प्रतिशत स्कूल टॉपर रही। वहीं मोबाशिरा फातमा ने 468 अंक लाकर 93.60 प्रतिशत दूसरे स्थान और शिफा हयात ने 460 अंक लाकर 92 प्रतिशत लाकर तीसरे स्थान पर रही। स्कूल की प्राचार्या सिस्टर अनिता ने बताया कि स्कूल में कुल 136 छात्राओं ने दसवीं की परीक्षा शामिल हुई थी, जिसमें 127 पास व 09 छात्राओं समान्य अंक लाकर सफल हुए है। स्कूल की प्राचार्या ने स्कूल शत प्रतिशत सफल होते है, इसका मुख्य कारण है बेहतर शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन का होना बहुत ही जरूरी है।

आशीष हाई स्कूल 90 प्रतिशत अफरोज बने स्कूल टॉपर : वहीं आशीष हाई स्कूल सामलोंग के छात्रों ने 98 प्रतिशत परिणाम रहा। स्कूल के मो अफरोज आलम 450 अंक लाकर 90 प्रीतिशत लाकर स्कूल टॉपर रहें। वहीं अनिल कच्छप ने 424 अंक लाकर 88.84 प्रतिशत प्राप्त कर दूसरे स्थान पर और प्रेम कुंमार ने 400 अंक लाकर 80 प्रतिशत तीसरे स्थान रहा। वहीं स्कूल में परीक्षा 69 छात्र शामिल हुए जिसमें 65 छात्र सफल रहें।

प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय बरगांवा शत प्रतिशत परिणाम : बरगांवा प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय का शत प्रतिशत रिजल्ट रहा। स्कूल में इस वर्ष स्कूली छात्राओं ने बाजी मारी है। अनुस्कि चटर्जी ने 78.40 प्रतिशत लाकर स्कूल टॉपर रही। वही दूसरे स्थान पर प्रिया कुमारी 69.70 और शिल्पी कुमारी ने 67.40 प्रतिशत लाकर तीसरे स्थान पर रही। स्कूली की प्राचार्या ज्योति कुमारी ने बताया कि स्कूल में 67 छात्र-छात्राए परीक्षा में शामिल हुए थे। स्कूल का प्ररिणाम शत प्रतिशत रहा।

झामुमो की उलगुलान महारैली: बैनर-होर्डिंग्स से पटी रांची

रांची, सूत्रकार

प्रभात तारा मैदान में 21 अप्रैल को उलगुलान न्याय महारैली आयोजित की जा रही है। झामुमो द्वारा आयोजित इस उलगुलान न्याय महारैली में शामिल होने का न्योता इंडिया ब्लॉक के सभी नेताओं को दिया गया है। जो जानकारी मिल रही है उसके अनुसार चुनावी व्यस्तता की वजह से दक्षिण भारत के कई दिग्गज महारैली में शामिल नहीं हो पाएंगे। हालांकि उन्होंने झामुमो नेतृत्व को यह जानकारी दी है कि महारैली जिन मुद्दों पर आयोजित की जा रही है और आगे जो रणनीति बनेगी उसमें उनका साथ रहेगा। प्रभात तारा मैदान में पंडाल और बिजली का काम देख रहे मनोज कुमार कहते हैं कि मुख्य पंडाल की लंबाई 40 मीटर और चौड़ाई 20 मीटर का होगी। जबकि दो सहायक मंच (30.15) मीटर का होगा। महारैली में शामिल होने वाली जनता और पार्टियों के कार्यकर्ता को भीषण गर्मी में भी थोड़ी राहत मिल सके इसके लिए 40 मीटर.150 मीटर का एक मुख्य और 30.150 मीटर के दो अन्य पंडाल बनाये जा रहे हैं। पंडाल में और पंडाल के बाहर रहने वाली जनता अपने प्रिय नेताओं का भाषण सुन सकें, उन्हे देख सकें, इसके लिए 20 से ज्यादा बड़े बड़े एलईडी स्क्रीन लगाए जा रहे हैं।

दूसरी बार एक मंच पर दिखेंगी कल्पना-सुनीता : दिल्ली के रामलीला मैदान में केंद्र की मोदी सरकार, भाजपा और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग कर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आप की महारैली हुई थी। इस महारैली में पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन और अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पहली बार जनता के बीच जाकर एक साथ मोदी सरकार के खिलाफ एक साथ हल्ला बोला था। अब 21 अप्रैल 2024 को दूसरा मौका होगा जब कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल एक मंच से उलगुलान करेंगी। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने बताया कि 21 अप्रैल को होने वाली महारैली कोई सामान्य या चुनावी महारैली नहीं है, बल्कि यह देश को तानाशाही से मुक्ति, संविधान बचाने और झारखंडी जन आकांक्षाओं को आवाज देने की महारैली है। उन्होंने कहा कि देश भर के विपक्षी नेताओं की साझा आवाज प्रभात तारा मैदान से बुलंद होगी। संविधान बचाने, भाजपा की समाज को बांटने की नीति, वन अधिकार कानून में बदलाव, किसानों को टरढ, महंगाई, बेरोजगारी सहित तमाम ऐसे मुद्दे हैं जिसके खिलाफ उलगुलान होगा। उन्होंने कहा कि मंच से सुनीता केजरीवाल और कल्पना सोरेन एक ही मंच से यह बताएंगी कि कैसे साजिश रचकर उनके पति को सिर्फ इसलिए जेल के अंदर डाल दिया गया क्योंकि वह एक तानाशाह के सामने झुके नहीं। 21 अप्रैल की उलगुलान न्याय महारैली में शामिल होने के लिए पंजाब के सीएम और आप नेता भगवंत सिंह मान, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस के फारुख अब्दुल्लाह, सीपीआई माले के दीपांकर भट्टाचार्या और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रतिनिधि के रूप में डेरेक ओ ब्रायन, राजद के राज्यसभा सदस्य मनोज झा सहित कई नेता उलगुलान न्याय महारैली में शिरकत करेंगे। झारखंड के मुख्यमंत्री और झामुमो के केंद्रीय उपाध्यक्ष चम्पाई, झारखंड सरकार में शामिल झामुमो, कांग्रेस और राजद के मंत्री भी उलगुलान महारैली में उपस्थित रहेंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता मनोज पांडेय ने कहा कि जब राज्य का गठन हुआ था, उसके बाद जून 2001 में झामुमो की विजय महारैली हुई थी। उस महारैली में जो भीड़ उमड़ी थी उसका रिकॉर्ड आज तक नहीं टूटा है। अब झामुमो की कोशिश उस रिकॉर्ड को तोड़ने की है। झामुमो ने अपने दम पर तीन लाख और सहयोगी दलों के साथ महारैली में 05 लाख लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा है।

महेंद्र सिंह धोनी के साथ हुए फर्जीवाड़ा मामले में कोर्ट में हुई सुनवाई, अगली सुनवायी 4 मई

रांची, सूत्रकार

क्रिकेट स्टार महेंद्र सिंह धोनी के साथ हुए फर्जीवाड़े मामले में रांची के सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडेय के कोर्ट में सुनवाई के बाद 4 मई की अगली तारीख दी गई है। सिविल कोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद न्यायालय की तरफ से अरका स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, सौम्या दास और मिहिर दिवाकर के वकील को यह निर्देश दिया गया कि अगली तारीख को खुद या अपने वकील के माध्यम से अपना पक्ष रखें। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों को सभी दस्तावेज न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए कहा था, जो अब तक नहीं रखा गया है। इसलिए कोर्ट ने दोनों पक्षों को अगली तारीख तक सारे दस्तावेज पेश करने का सख्त आदेश दिया। धोनी की तरफ से यह शिकायत उनके करीबी माने जाने वाले सीमांत लोहानी ने कराई है। धोनी की ओर से यह आरोप लगाया गया है कि मिहिर दिवाकर और सौम्या दास के द्वारा उनसे 15 करोड़ रुपए की फर्जीवाड़ा की गई है। शिकायत दर्ज होने के बाद 5 जनवरी को कोर्ट में सुनवाई हुई थी। जिसके बाद कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए दोनों के खिलाफ समन जारी कर दिया था। बता दें कि अरका स्पोर्ट्स लिमिटेड नाम की कंपनी बनाकर मिहिर दिवाकर सौम्या दास और महेंद्र सिंह धोनी पूरे देश में क्रिकेट अकादमी खोलना चाहते थे। जिसमें कई तरह की कागजी समझौते किए गए थे। लेकिन क्रिकेट अकादमी खोलने के दौरान मिहिर दिवाकर और सौम्या दास के द्वारा नियमों की धज्जियां उड़ाई गई। जिसके बाद महेंद्र सिंह धोनी ने करार को तोड़ दिया। लेकिन सौम्या दास और मिहिर दिवाकर ने करार टूटने के बाद भी कई जगहों पर क्रिकेट अकादमी खोलने का काम चालू रखा। जिसको देखते हुए महेंद्र सिंह धोनी ने दोनों को कानूनी नोटिस भेजा और धोनी की ओर से सीमांत लोहानी ने पूरे मामले पर कोर्ट में केस किया। मामले में शिकायतकर्ता की तरफ से धारा 420, धारा 406, धारा 467, धारा 468, धारा 471 और धारा 120 बी के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है।

जंगल में महुआ चुनने गए ग्रामीण को हाथियों ने कुचल कर मार डाला

बोकारो, सूत्रकार

जिले के जागेश्वर बिहार थाना क्षेत्र के तिलैया गांव में शुक्रवार को हाथियों ने एक ग्रामीण को कुचलकर मार डाला। जानकारी के अनुसार ग्रामीण जंगल में महुआ चुनने के लिए गया था। इसी दौरान उसका सामना हाथियों से हो गया। जिसके बाद हाथियों ने ग्रामीण को पटक-पटक कर मौत के घाट उतार दिया। मृतक की पहचान लहरु महतो के रूप में की गई है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। घटना के बाद मामले की सूचना वन विभाग को भी दे दी गई है। हालांकि खबर लिखे जाने तक वन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचे थे। इधर, ग्रामीण और मृतक के परिजन वन विभाग से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। बताते चलें कि पिछले दिनों बोकारो के डीएफओ रजनीश कुमार ने ग्रामीणों को आगाह भी किया था 28 की संख्या में हाथी इलाके के जंगल में विचरण कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों को आगाह किया था कि वह महुआ चुनने के लिए जंगल में न जाएं। लेकिन फिर भी ग्रामीण महुआ चुनने के लिए जंगल जाते हैं। गौरतलब हो कि महुआ की खुशबू हाथियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। हाथियों को महुआ खूब भाता है। इस कारण महुआ के सीजन में अक्सर हाथियों का झुंड इलाके में पहुंच जाता है। वहीं वन उत्पादों पर आश्रित ग्रामीण जान पर खेल कर जंगल में महुआ चुनने जाते हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को एक ग्रामीण को जान गंवानी पड़ी। वहीं घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत है।

पुलिस ने छापेमारी कर जब्त किया अवैध शराब

देवघर, सूत्रकार

किराना दुकान में सिर्फ घरेलू उपयोग का सामान बिक्री होती है लेकिन देवघर जिला के देवीपुर में ऐसा किराना दुकान है जहां नशा का कारोबार होता था। देवीपुर पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर सरकारी विदेशी शराब दुकान के बगल में सुनील मंडल पिता परमेश्वर मंडल अपने जेनरल दुकान स्टोर में छापेमारी की गई। सुनील मंडल के जेनरल स्टोर से काफी मात्रा में अंग्रेजी शराब में पाया गया। इस पर तारित्व कार्रवाई करते हुए छापेमारी के क्रम में सुनील मंडल के निशान देही पर जनरल स्टोर से अलग-अलग कंपनी का अवैध अंग्रेजी शराब का जप्त किया। जिसमें सुनील मंडल उम्र करीब (28) वर्ष जो गांव अमैयासार, थाना देवीपुर जिला देवघर वर्तमान पता ग्राम देवीपुर कोल्हड़िया मोड़, थाना देवीपुर, जिला देवघर के निवासी पर मामला दर्ज कर जेल भेज दिया। वहीं दूसरी और झुमरबाद पंचायत के मनियारपुर के रहने वाले बिनोद यादव ने अपना एक मनियारपुर मोड़ पर में किराना दुकान में भी अवैध रुप से से अंग्रेजी शराब की बेचने का काम करते थे। इस पर कार्यवाही करते हुए विनोद यादव के घर से कमर में रखा अलग-अलग कंपनी का अवैध अंग्रेजी शराब को जप्त किया गया। इस मामले पर विनोद यादव को गिरफ्तार कर थाना लाया गया एवं मामला दर्ज कर उसे भी जेल भेज दिया गया।

बरकाकाना में हुई बदसलूकी को लेकर बोलीं विधायक अंबा प्रसाद

आजसू और भाजपा के गुंडों से नहीं डरती

रांची, सूत्रकार

17 अप्रैल की रात रामनवमी कार्यक्रम के दौरान बरकाकाना में हुई बदसलूकी को लेकर विधायक अंबा प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान विधायक ने घटना की पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कैसे संबोधन के दौरान उनके हाथ से माइक छीन लिया गया और भाजपा और आजसू के लोग उनसे मारपीट को उतारू हो गए। विधायक अंबा ने बताया कि वह अपने ऊपर हुए हमले की जानकारी इसलिए दे रही हैं ताकि देश, प्रदेश और प्रदेश की जनता मीडिया के माध्यम से जान सके कि जय श्रीराम का नारा लगाने वाले ये आजसू और बीजेपी के लोग गुंडे हैं, जिन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों को ताक पर रख दिया है।अंबा प्रसाद ने बताया कि रामनवमी के मौके पर वह अपने क्षेत्र में अलग-अलग कार्यक्रमों में जाकर लोगों से मिल रही थी और उन्हें रामनवमी की शुभकामनाएं दे रही थी। इसी क्रम में वह एक कार्यक्रम में शामिल होने बरकाकाना भी पहुंचीं। उन्हें वहां रामनवमी आयोजन समिति ने आमंत्रित किया था, लेकिन जैसे ही वह बरकाकाना पहुंचीं, उन्हें एहसास हुआ कि वह जहां आई हैं, वह कोई धार्मिक कार्यक्रम कम और राजनीतिक कार्यक्रम ज्यादा है। उन्होंने बताया कि मैं वहां पहुंच चुकी थीं, इसलिए मैंने आयोजन समिति के सदस्यों से कहा कि मुझे और भी कई जगहों पर जाना है, इसलिए मैं लोगों को रामनवमी की शुभकामनाएं दे देती हूं। लेकिन जानबूझ कर मुझे वहां घंटों बैठाया गया। जब मुझे माइक दिया गया तो मुझसे माइक छीन लिया गया। जिस व्यक्ति ने मुझे लोगों को शुभकामनाएं देने के लिए माइक दिया था, उसे भी आजसू और भाजपा के गुंडों ने पीटा। इतना ही नहीं उन्होंने मेरे साथ भी बदसलूकी की और मेरे बॉडीगार्ड्स के साथ मारपीट भी की। अंबा प्रसाद ने कहा कि इन आजसू और बीजेपी वालों को राम के नाम पर राजनीति करने का कोई हक नहीं है। जब ये भाजपा-आजसू वाले अपने आदर्श की मयार्दा और चरित्र को आत्मसात कर सकते हैं तो सिर्फ जय श्री राम के नारे लगाने से क्या होगा? अंबा प्रसाद ने कहा कि जो लोग भगवान राम के अच्छे गुणों को नहीं अपना सके वो आजसू बीजेपी गुंडा राजनीति कर रहे हैं। अंबा प्रसाद ने कहा कि महिलाओं के प्रति भाजपा का सम्मान दिखावा है। पीएम और बीजेपी के लोग सिर्फ राम के नाम पर राजनीति करते हैं। अंबा ने सवालिया लहजे में पूछा कि क्या भगवान राम किसी पार्टी के हैं? क्या इन लोगों को भगवान राम से सीखने की जरूरत नहीं है? बीजेपी महिला सशक्तिकरण की बात करती है लेकिन इस घटना के बाद उनकी गुंडागर्दी साफ नजर आ रही है। विधायक अंबा ने कहा कि उन्होंने अपने साथ हुई इस घटना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है और उनके सुरक्षाकर्मी और फोटोग्राफर समेत सभी बॉडीगार्ड को रिम्स में भर्ती कराया गया है। ये लोग मुझे डराने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन मैं न तो डर रही हूं और न ही हार मानने वाली हूं।

संपादकीय

मिठास का वार

हाल के दिनों में देश में आई जागरूकता के चलते कई ऐसे खुलासे हुए हैं, जिसमें बहुराष्ट्रीय खाद्य उत्पादों के हथकंडों का पता चला है। जिन खाद्य उत्पादों को दशकों से बच्चों की सेहत का राज बताया जा रहा था, परीक्षणों में पाया गया कि तेज मीठे की लत डालकर बच्चों को स्थायी ग्राहक बनाया जा रहा था। जांच के बाद सरकार ने बॉर्नविटा को सेहतवर्धक बताने वाले प्रचार को रोकने के लिये कहा था। अब इस कड़ी में बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले ने सफाई दी है कि उसके शिशु आहार उत्पादों में चीनी की मात्रा घटाई गयी है। यानी इससे पहले बच्चों को इस उत्पाद की आदत डालने के लिये भारत में इसमें अधिक चीनी की मात्रा मिलायी जा रही है। दरअसल, हाल ही में एक स्विस स्वयं सेवी संगठन ह्यपब्लिक आईह्ण और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के निष्कर्षों से खुलासा हुआ कि नेस्ले कंपनी ने यूरोप के अपने बाजारों की तुलना में भारत तथा अन्य विकासशील देशों, अफ्रीका व लैटिन अमेरिकी देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे। नेस्ले इंडिया का दावा है कि उसने अब अपने उत्पादों में तीस फीसदी तक चीनी की कटौती की है। उल्लेखनीय है कि यह कंपनी नेस्कैफे, सेरेलैक व मैगी जैसे चर्चित उत्पादों का कारोबार करती है। इस बहुराष्ट्रीय कंपनी का रवैया कितना भेदभावपूर्ण व दुराग्रह से भरा हुआ है कि छह महीने के बच्चों को दिया जाने वाला नेस्ले का गेहूं पर आधारित उत्पाद सेरेलैक ब्रिटेन तथा जर्मनी में बिना किसी अतिरिक्त चीनी के बेचा जाता है। लेकिन भारत में सेरेलैक के 15 उत्पादों के अध्ययन के बाद खुलासा हुआ है कि एक बार के खाने में औसतन 2.7 ग्राम चीनी थी। अन्य विकासशील देश फिलीपीन्स में चीनी की मात्रा 7.3 ग्राम पाई गई। ऐसा शिशुओं को इसकी लत लगाने और लागत घटाने के मकसद से किया गया। जो निश्चित रूप से शिशुओं के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिससे कई तरह के रोगों का भी जन्म होता है। यह विडंबना ही है कि उपनिवेशवाद के चलते पूरी दुनिया का शोषण करने वाले यूरोपीय व पश्चिमी देश लोकतांत्रिक स्वरूप वाले विश्व में भी व्यापारिक हथकंडों के जरिये विकासशील देशों का दोहन कर रहे हैं। दरअसल, खाद्य पदार्थों व शीतल पेयों में अधिक चीनी व नमक के जरिये युवाओं को भी इन उत्पादों की लत लगाई जाती है। इससे उन्हें एक अलग से खुशी का अहसास होता है। जिससे कालांतर गैर संक्रमणीय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इस अस्वस्थ खाना-पान से कई रोग उत्पन्न होते हैं। इन स्वास्थ्य समस्याओं में वजन बढ़ना, मोटापा और कालांतर मधुमेह जैसे रोग हो सकते हैं। इसी तरह शीतल पेय, डिब्बा बंद जूस तथाकथित एनर्जी ड्रिंक्स तथा बिस्कुट में चीनी की मात्रा काफी अधिक होती है। इन उत्पादों की गिनती अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के रूप में होती है। हाल के दिनों में एक ब्रिटिश जनरल में खुलासा हुआ कि ऐसे खाद्य पदार्थों से उम्र पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। भारतीय चिकित्सक खुलासा कर रहे हैं कि यदि आपकी डाइट में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की मात्रा दस प्रतिशत से ज्यादा होती है तो व्यक्ति के शरीर में कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग व अवसाद जैसे रोग उत्पन्न हो सकते हैं। भारत में हाल के दिनों में इन रोगों से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से विस्तार हुआ है। इस संकट का समाधान तभी हो सकता है जब हम देश में उपभोक्ताओं को जागरूक करें। साथ ही हर उत्पाद में इस बात का उल्लेख होना चाहिए कि किसी खाद्य या पेय पदार्थ में कितनी मात्रा में नमक या चीनी का उपयोग किया गया है। यदि कम शर्करा वाली वस्तु है तो स्पष्ट होना चाहिए कि यह मात्रा कितना रखी गई है। दरअसल, इन उत्पादों में चीनी-नमक की मात्रा की निगरानी वाले तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत है। साथ ही देश में ऐसे प्रयोगशालाओं की स्थापना हर राज्य में की जाए जो लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले उत्पादों की जांच-पड़ताल कर सके।

भगवान महावीर हैं सार्वभौम धर्म के प्रणेता

सदियों पहले महावीर जनमे। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को झेला, कष्टों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती है। महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। वे सार्वभौम धर्म के प्रणेता थे, उनके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना थी। इस वर्ष भगवान महावीर की 2550 वां निर्वाण महोत्सव मनाया जा रहा है, उनकी जन्म जयन्ती एवं निर्वाण महोत्सव न केवल जैन धर्म के अनुयायियों के लिये बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिये उन्नत जीवन का आधार है, निर्वाण महोत्सव का भव्य आयोजन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम्-सभागार में 21 अप्रैल, 2024 को चारों जैन सम्प्रदायों के आचार्यों, मुनिराजों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति में करेंगे।

भगवान महावीर की मूल शिक्षा है- ह्यअहिंसाह्ण। सबसे पहले ह्यअहिंसा परमो धर्मःह्ण का प्रयोग हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के पावन ग्रंथ ह्यमहाभारतह्ण के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने। भगवान महावीर ने अपनी वाणी से और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा के साथ भगवान महावीर का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। ह्यआत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम् न समाचरेत्ह्णह्ण इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

एक बार महावीर और उनका शिष्य गोशालक एक घने जंगल में विचरण कर रहे थे। जैसे ही दोनों एक पौधे के पास से गुजर रहे थे। शिष्य से दुश्मन बन चुके गोशालक ने महावीर से कहा, यह पौधा देखिए, क्या सोचते हैं आप, इसमें फूल लगेंगे या नहीं लगेंगे? महावीर आंख बंद करके उस पौधे के पास खड़े हो गए, और कुछ देर बाद आंखें खोलते हुए उन्होंने कहा, फूल लगेंगे। गोशालक ने महावीर का कहा सत्य न हो, इसलिये तत्काल पौधे को उखाड़ कर फेंक दिया, और जोर-जोर से हंसने लगा। महावीर उसे देखकर मुस्कराए। सात दिन बाद दोनों उसी रास्ते से लौट रहे थे। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उखाड़ा था, उन्होंने देखा कि वह पौधा खड़ा है। इस बीच तेज वर्षा हुई थी, उसकी जड़ों को वापस जमीन ने पकड़ लिया, इसलिए वह पौधा खड़ा हो गया था।

महावीर फिर आंख बंद करके उसके पास खड़े हो गए। पौधे को खड़ा देखकर गोशालक बहुत परेशान हुआ। गोशालक की उस पौधे को दोबारा उखाड़ फेंकने की हिम्मत न पड़ी। महावीर हंसते हुए आगे बढ़े। गोशालक ने इस बार हंसी का कारण जानने के लिए उनसे पूछा, आपने क्या देखा कि मैं फिर उसे उखाड़ फेंकूगा या नहीं? तब महावीर ने कहा, यह सोचना व्यर्थ है। अनिवार्य यह है कि यह पौधा अभी जीना चाहता है, इसमें जीने की ऊर्जा है, और जिजीविषा है। तुम इसे दूबारा उखाड़ फेंक सकते हो या नहीं-यह तुम पर निर्भर है। लेकिन पौधा जीना चाहता है, यह महत्वपूर्ण है। तुम पौधे से कमजोर सिद्ध हुए और हार गए। और जीवन हमेशा ही जीतता है। जीवन में आने वाली मुश्किलों का सामना करने के लिए जरूरी है, आशावादी रहना।

भगवान महावीर का जन्म दिवस एक दस्तक है। उन्होंने बाहरी लड़ाई को मूल्य नहीं दिया, बल्कि स्व कर सुरक्षा में आत्म-युद्ध को जरूरी बतलाया। उन्होंने जो कहा, सत्य को उपलब्ध कर कहा। उन्होंने सबके अस्तित्व को स्वीकृति दी। ह्यणो हीणे णो अइरित्तेह्ण-उनकी नजर में न कोई ऊंचा था, न कोई नीचा। उनका अहिंसक मन कभी किसी के सुख में व्यवधान नहीं बना। उन्होंने अपने होने का अहसास जगाकर अहं को खड़ा नहीं होने दिया। इसीलिये उनकी शिक्षाओं एवं उपदेशों का हमारे जीवन और विशेषकर व्यावहारिक जीवन में विशेष महत्व है। हम अपने जीवन को उनकी शिक्षाओं के अनुरूप ढाल सकें, यह अधिक आवश्यक है लेकिन इस विषय पर प्रायः सन्नाटा देखने को मिलता है। हम महावीर को केवल पूजते हैं, जीवन में धारण नहीं करते हैं। हम केवल कर्मकाण्ड और पूजा विधि में ही लगे रहते हैं। महावीर का यह संदेश जन-जन के लिये सीख बने- ह्यपुरुष! तू स्वयं अपना भाग्यविधाता हैह्ण औरों के सहारे मुकाम तक पहुंच भी गए तो क्या? इस तरह की मंजिलें स्थायी नहीं होती और न इस तरह का समाधान कारगर होता है।

भगवान महावीर कितना सरल किन्तु सटीक कहा हैं- सुख सबको प्रिय है, दुःख अप्रिय। सभी जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता। हम जैसा व्यवहार स्वयं के प्रति चाहते हैं, वैसा ही व्यवहार दूसरों के प्रति भी करें। यही मानवता है और मानवता का आधार भी। मानवता बचाने में है, मारने में नहीं। किसी भी मानव, पशु-पक्षी या प्राणी को मारना, काटना या प्रताड़ित करना स्पष्टतः अमानवीय है, क्रूरतापूर्ण है। हिंसा-हत्या और खून-खच्चर का मानवीय मूल्यों से कभी कोई सरोकार नहीं हो सकता। मूल्यों का सम्बन्ध तो ह्यजियो और जीने दोह्ण जैसे सरल श्रेष्ठ उद्घोष से है।

एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है, क्या सुख को स्थायी बनाया जा सकता है? क्या दुःख को समाप्त किया जा सकता है? इसका सीधा उत्तर होगा कि भौतिक जगत में ऐसा होना कभी संभव नहीं है। जब तक भौतिक जगत में जीएंगे तब तक यह स्वप्न लेना दिवास्वप्न है, कल्पना करना आकाश कुसुम जैसा है। आकाश में कभी फूल नहीं लगता। यह असंभव बात है कि इंद्रिय जगत में आदमी जीए और वह सुख या दुःख एक का ही अनुभव करे, यह द्वंद्व बराबर चलता रहेगा। तब व्यक्ति के मन में एक जिज्ञासा पैदा होती है कि ऐसा कोई उपाय है जिससे सुख को स्थायी बनाया जा सके? इसका समाधान है स्वयं का स्वयं से साक्षात्कार। इसके लिये जरूरी है हर क्षण को जागरूकता से जीना। उसको जीने के लिये भगवान महावीर ने कहा था-ह्यखणं जाणाहि पंडिएह्ण, जो क्षण को जानता है, वह सुख और दुःख के निमित्त को जानता है।

आज मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है। जरूरी है कि हम महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें जीवन और आचरण में उतारें। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है।

(चिंतन-मनन)

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षों में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है।

सूक्ति

तलवार ही सब कुछ है, उसके बिना न मनुष्य अपनी रक्षा कर सकता है और न निर्बल की। - गुरु गोविंद सिंह

निज भाषा उन्नति अहै, सब भाषा को मूल। बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को शूल। - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

राशिफल

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि त्रियोदशी, रविवासरे, उ.फा. नक्षत्रे, कौलव योगे, तैतिलकरणे, कन्या की चंद्रमा, प्रदोष 13 क्रत, श्री अनंग 13 क्रत श्री महावीर जयंती (जैन) राष्ट्रीय बैसाख मास दिन 1/10 से जययोग तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक स्वाभिमानी, दम्भी, कम्प्यूटर इंजीनियर, ऑपरेटर, बैंक कर्मचारी, लेखापाल, क्लर्क, प्रबंधक होगा।

मेष राशि :- तनाव पूर्ण वातावरण से बचिये, स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी अवश्य बनेगी।

वृष राशि :- अधिकारियों के समर्थन से सुख होगा, कार्यगति विशेष अनुकूल होगा।

मिथुन राशि :- भोग-एश्वर्य प्राप्ति के बाद तनाव व क्लेश होगा, तनाव से बचकर अवश्य रहें।

कर्क राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद हो, भाग्य का सितारा साथ देगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे।

सिंह राशि :- परिश्रम सफल हो, व्यवसाय गति मंद हो, आर्थिक योजना पूर्ण अवश्य ही होगी।

कन्या राशि :- कार्य-व्यवसाय गति सामान्य रहे, व्यर्थ परिश्रम, कार्य गति मंद होगी।

तुला राशि :- किसी दुर्घटना से बचें, चोट-चपेट आदि कम हो, रुके कार्य व्यवसाय होंगे।

वृश्चिक राशि :- कार्यगति अनुकूल रहे, लाभांवित कार्य योजना बनेगी, बाधा आदि से बचें।

धनु राशि :- कुछ प्रतिष्ठा के साधन बनें किन्तु हाथ में कुछ न लगे, कार्य अवरोध होगा।

मकर राशि :- अधिकारी वर्ग से तनाव, क्लेश होगा, मानसिक अशांति के कार्य बनें, ध्यान दें।

कुंभ राशि :- मनोबल बनाये रखें, हाथ में कुछ न लगे किन्तु नया कार्य अवश्य ही होगा।

मीन राशि :- दैनिक कार्यगति उत्तम, कुटुम्ब में सुख समय उत्तम बनेगा, समय का ध्यान अवश्य रखें।

सियासत के किले हैं , तो वे ढहेंगे भी...

राकेश अचल

देश -दुनिया में दुर्ग यानि किले सत्ताधीशों के ही बनते आये है। लेकिन ये दुर्ग जब लोकतंत्र में सियासी दल भी बनाते हैं तो उन्हें ढहाने का उपक्रम भी लगातार चलता रहता है। सियासत के दुर्ग या तो राजनीतिक दल की विचारधारा के आधार पर बनाये जाते हैं या फिर व्यक्तित्व के आधार पर। आजादी के बाद यदि किसी राजनीतिक दल का सबसे मजबूत किला था तो वो था कांग्रेस का। लेकिन बाद में अधिकांश राजनीतिक दलों ने अपने-आपने इलाकों में किलों के बजाय छोटी-छोटी गढ़ियाँ बनाना शुरू कर दीं। आजकल देश में कहते हैं कि सबसे ज्यादा मजबूत किला भाजपा का है और उसे ढहाने में कांग्रेस समेत देश के तमाम छोटे-बड़े राजनीतिक दल लगे हुए हैं।

अतीत में झांके तो पाएंगे कि पहले सियासी किले अभेद्य हुआ करते थे। उनके ऊपर किसी भी तरह के हमलों का असर नहीं होता था ,क्योंकि ये किले विचारधारा की नींव पर खड़े किये गए थे। कांग्रेस,भाकपा,समाजवादी और दक्षिण पंथियों ने समय-समय पर अपने किले बनाये। इन किलों के जरिये देश में आरसे तक राजनीति भी खूब फली-फूली ,लेकिन जब किलों के ढहने का सिलसिला शुरू हुआ तो फिर रुका नहीं। एक जमाने में जहाँ-जहँ कांग्रेस के किले थे वहां-वहां क्षेत्रीय दलों ने उनके ऊपर कब्जा कर लिया। ये क्षेत्रीय किले कहीं-कहीं कांग्रेस के साथ भी खड़े हुए और कहीं एकदम अकेले।

पश्चिम बंगाल में वामपंथ का किला 25 साल तक अभेद्य रहा। उसे कांग्रेस से अलग हुई तृणमूल कांग्रेस की संस्थापिका सुश्री ममता बनर्जी ने तोड़ा। दक्षिण के क्षेत्रीय किले तोड़ने के लिए कांग्रेस और भाजपा लगातार कोशिश करती रही ,लेकिन उन्हें ध्वस्त नहीं

> **भाजपा की अपनी ताकत से किसी को इंकार नहीं है और होना भी नहीं चाहिये। लेकिन भाजपा इस बार अपना किला बिभीषणों के जरिये बचाये रखना चाहती है। भाजपा ने अपने शरणार्थी शिविरों में आने वाले कांग्रेसियों को सम्मान और सामान दोनों दिए है। उनके तमाम पाप क्षमा कर दिए हैं ,लेकिन बात बनती दिखाई नहीं दे रही। भाजपा को अपना किला महफूज बनाये रखने के लिए कम से कम 400 गढ़ियाँ चाहिए। इन्हें हासिल करने के लिए भाजपा ने हर नाजायज तरीके को जायज मानकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।**

कर पायी। कर्नाटक में किले ढहाने और उन पर कब्जे करने का सनातन खेल जारी है। भाजपा ने 2014 में कांग्रेस के किले को ही नहीं ढहाए बल्कि कांग्रेस की गढ़ियाँ भी ध्वस्त कर दीं। लेकिन अनेक राज्यों में क्षेत्रीय दलों के किले आज भी सुरक्षित हैं। मिसाल के तौर पर ओडिशा में बीजू जनता दल का किला। इन दिनों भाजपा का किला ढहाने के लिए कसबल लगाया जा रहा है। 2024 में भाजपा का किला ध्वस्त करने के लिए जगह-जगह सेंधमारी की जा रही है। कहीं कामयाबी मिल रही है और कहीं नहीं भी। दिल्ली और झारखण्ड कि किलेदारों को जेल की हवा भी खिला दी गयी है किन्तु ये किले यानि गढ़ियाँ जीती नहीं जा सकीं।

भाजपा का किला राम नाम की ईंटों से बनाया गया है अभी ये किला 44 साल पुराना ही है। इस किले को बनाने में राम जी बार-बार काम आये लेकिन इस बार भाजपा के किले की अनेक बुर्जों पर विरोधियों ने जमकर सेंधमारी की है। लोकतंत्र में सियासी किले ढहाने के लिए मतदान सबसे बड़ा जरिया है। वोट के बम किले की किसी भी बुर्ज को ध्वस्त कर सकते हैं और इन्हीं क्षतिग्रस्त बुर्जों से किले के भीतर जाने के रस्ते बनाये जानते हैं। सियासी किलों की मरम्मत और हमलों का काम हर पांच साल में होता है। इस साल भी किले फतह करने, किले कमजोर करने की कवायद चल रही है । पहले हमले में 102 ठिकानों पर जोर -आजमाइश हुई है। अभी इसी तरह के छह हमले और किये जाने है।

सियासी किले बचने के लिए साम-दाम-दंड भेद के सात गोधन,गजधन ,बाजधन और रतनधन के अलावा इलेक्ट्रोरल बांड से मिले धन का भी इस्तेमाल किया जाता है। बाहुबल अब गौण हो गया है ,हालाँकि बंगाल जैसे राज्यों में अभी भी ये बाहुबल भी प्रचलन में हैं। जिसके पास जितना ज्यादा धन होता है वो उतना ज्यादा ताकतवर माना जाता है। इस समय भाजपा धनबल के मामले में सबसे ज्यादा मजबूत है। उसकी अक्षोहणी सेना में संघ दीक्षित स्वयं सेवकों के साथ अंधभक्तों की तादाद दूर दलों के मुकाबले सबसे ज्यादा है। अंधभक्तों की टुकड़ी सबसे ज्यादा ताकतवर मानी जाती है ,क्योंकि इसे अपने राजा के अलावा कोई दूसरा सूझता ही नहीं।मैंने अपने जीवन में अनेक मजबूत से मजबूत किले ध्वस्त होते देखे है। मैंने अनेक गढ़ियाँ बनते -बिगड़ते देखीं हैं। आपने भी देखी ही होंगीं लेकिन आपने शायद इनके बारे में ज्यादा गौर नहीं किया। जनता जनार्दन अक्सर इन किलों में या तो कैद रहती है या फिर अपने आपको महफूज महसूस कर इनसे बाहर नहीं निकलती। इन किलों में गरीबी परिवारों को पेट की आग बुझाने के लिउए मुफ्त का राशन और भाषण दोनों मिलता है । मनोरंजन के लिए रामधुन,आत्मशांति के लिए मंदिर की सुविधाएं भी मुहैया कराई जातीं है। कांग्रेस के किलों में मंदिर,मस्जिद,गुरुद्वारा और गिरजाघर सब होते हैं। पहले इन्हीं सुविधाओं की वजह से कांग्रेस के किलों में ज्यादा लोग बसते थे । लेकिन बाद में कांग्रेस के किले में भगदड़ मची । हाल के दिनों में टोकांग्रेस का किला छोड़कर भाजपा के किले में लगे शरणार्थी शिविर में सबसे ज्यादा आमद दर्ज कराई है।

भाजपा की अपनी ताकत से किसी को इंकार नहीं है और होना भी नहीं चाहिये । लेकिन भाजपा इस बार अपना किला बिभीषणों के जरिये बचाये रखना चाहती है। भाजपा ने अपने शरणार्थी शिविरों में आने वाले कांग्रेसियों को सम्मान और सामान दोनों दिए है। उनके तमाम पाप क्षमा कर दिए हैं ,लेकिन बात बनती दिखाई नहीं दे रही। भाजपा को अपना किला महफूज बनाये रखने के लिए कम से कम 400 गढ़ियाँ चाहिए। इन्हें हासिल करने के लिए भाजपा ने हर नाजायज तरीके को जायज मानकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। भाजपा को अपने दरबार के लिए जो नायब हीरे चाहिए वे जनता को ही चुनकर देना है। लेकिन चुनाव के पहले दौर में लक्षण अच्छे नहीं दिखाई दिए। आगे के छह चरणों में क्या होगा ,ये राम ही जानें ? मै राम की बात इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि भारत में एक दशक से सब कुछ राम के नाम पर ही हो रहा है। कभी-कभी भोले बाबा और योगाधीश कृष्ण का भी नाम लिया जाता है ,अभी राम का नाम सबसे ज्यादा चल रहा है।

हम तुलसी और कबीर के वंशज महासंग्राम के टीकाकार से ज्यादा कुछ नहीं है। हम ज्यादा से ज्यादा तुमुल ध्वनि कर सकते है। हमारी बिरादरी के कुछ लोग बाकायदा जिरह-बख्तर पहनकर भाजपा के लिए लड़ भी रहे हैं। किन्तु असल लड़ाई जनता लड़ रही ह। यदि कोई किला ढहता है या और मजबूत होता है तो इसका श्रेय किसी की गारंटी को नहीं बल्कि जनता की उदारता को दिया जाना चाहिए। अब देखिये आगे-आगे होता है क्या ?

न्यूज फ्लैश

पिकअप वैन के धक्के से महिला की मौत

खड़गपुर .झाड़ग्राम जिला अंतर्गत बेलपहाड़ी थाना के आस्ताजुड़ी इलाके में एक पिकअप वैन के धक्के से एक महिला की मौत हो गयी ।स्थानीय व पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृत महिला का नाम केशरमनी हेम्ब्राम (54)है ।वह आस्ताजुड़ी गांव की निवासी थी ।वह बेलपहाड़ी बाजार से साइकिल से अपने घर की ओर लौट रही थी ।इस दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक पिकअप वैन ने उसे टक्कर मारा ।जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गयी ।स्थानीय लोगों ने उसे बेलपहाड़ी ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया ।अस्पताल में चिकित्साधीन अवस्था में उसकी मौत हो गयी.घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी ।शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया ।पुलिस घटना की जांच कर रही है।

भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद ,चार गिरफ्तार ,टोटो जब्त

खड़गपुर .पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत मेदिनीपुर ग्रामीण के नेपुरा इलाके में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाकर भारी मात्रा में अवैध शराब को बरामद करते हुये एक टोटो को जब्त किया और अवैध शराब के कारोबार से जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया। आबकारी विभाग को मुखबिर से गुप्त जानकारी मिली थी कि नेपुरा इलाके से शराब कारोबारी भारी मात्रा में अवैध शराब को लेकर टोटो से गुजरने वाले है। घटना की जानकारी मिलने के बाद आबकारी विभाग हरकत में आयी ।इलाके में अभियान चलाकर एक सौ लीटर अवैध शराब को बरामद किया गया ।चार अवैध शराब कारोबारी को गिरफ्तार करते हुये एक टोटो को जब्त किया गया ।आबकारी विभाग का कहना है कि अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

पेट्रोल कम देने का आरोप लगाकर ग्राहकों ने पम्प में मचाया बवाल

खड़गपुर .पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत बेलदा इलाके में मौजूद एक पेट्रोल पम्प में पेट्रोल कम देने का आरोप लगाकर ग्राहकों ने बवाल मचाया ।जिससे पेट्रोल पम्प परिसर में कुछ देर के लिये परिस्थिति उग्र हो गयी थी,हालांकि पुलिस समय पर पहुँचकर परिस्थिति को समान्य किया ।ग्राहकों का आरोप है कि पम्प में सटीक पैसे देने के बावजूद जितना पेट्रोल मिलना चाहिये ,उतना पेट्रोल मिलता नही ,ब्लकि उन्हें कम पेट्रोल दिया जाता है ।कुछ ग्राहकों ने आरोपों को सिद्ध करने के लिये बोतल में पेट्रोल लेकर मौजूद लोगों को दिखाया ।जिससे ग्राहकों में पेट्रोल पम्प के कर्मियों के खिलाफ रोष देखा गया ।घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पेट्रोल पम्प परिसर में पहुँचकर परिस्थिति को समान्य किया.बवाल मचाने वालों ग्राहकों ने पेट्रोल पम्प के मालिक के खिलाफ कानूनी कारवाई करने की मांग की ।पुलिस घटना की जांच कर रही है।

हरियाणाः राजपूतों ने बीजेपी के बहिष्कार का आह्वान किया

उत्तर प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में भाजपा का विरोध करने का आह्वान करने के बाद, राजपूत समुदाय के नेताओं ने आगामी लोकसभा चुनावों से पहले हरियाणा में भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त की हैं।

हरियाणा : उत्तर प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में भाजपा का विरोध करने का आह्वान करने के बाद, राजपूत समुदाय के नेताओं ने आगामी लोकसभा चुनावों से पहले हरियाणा में भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त की हैं। कैथल में 9वीं शताब्दी के हिंदू राजा मिहिर भोज की पहचान को लेकर विवाद के कारण समुदाय के सदस्यों में पहले से ही नाराजगी की भावना व्याप्त है। पिछले साल 20 जुलाई को उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया था, जिसमें उन्हें गुर्जर समुदाय से संबंधित शासक के रूप में दशार्या गया था। अब, केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला की क्षत्रियों पर टिप्पणी कि पूर्व 'महाराजाओं' ने अंग्रेजों के साथ भोजन किया और अपनी बेटियों की शादी उनसे की, ने आग में घी डालने का काम किया है। हालाँकि, रूपाला ने अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है।

राजपूत, जो परंपरागत रूप से भाजपा को वोट देते हैं, राज्य में पार्टी के खिलाफ पंचायतें करेंगे। समुदाय ने हाल की घटनाओं पर निराशा व्यक्त की।

जेसीडी के छात्रों ने स्वचालित कचरा बिन विकसित किया

हरियाणा : जेसीडी विद्या-पीठ के इलेक्ट्रिकल विभाग के दो छात्रों ने नवीनतम तकनीक का उपयोग करके एक स्पर्श रहित, स्वचालित कचरा बिन बनाया है। खुशमीत सिंह और प्रिंस कुमार द्वारा विकसित, जब कोई इसके पास आता है तो बिन स्वचालित रूप से खुल जाता है, जिससे उपयोगकर्ता मैन्युअल हस्तक्षेप की आवश्यकता के बिना कचरे का निपटान कर सकते हैं। कूड़ा कूड़ेदान में डालने के बाद ढक्कन अपने आप बंद हो जाता है।

जेसीडी के महानिदेशक कुलदीप सिंह ढींडसा ने छात्रों को बधाई दी और छात्रों को उनके रचनात्मक प्रयासों में समर्थन देने के लिए विद्यापीठ की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को रोजमर्रा के उपयोग के लिए अधिक सुविधाजनक और उपयोगी उपकरण बनाने के लिए पारंपरिक तरीकों को नई प्रौद्योगिकियों के साथ मिश्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वचालित कचरा बिन की निर्माण प्रक्रिया की देखरेख विद्युत विभाग द्वारा की गई थी। बिन के डिजाइन में अल्ट्रासोनिक सेंसर शामिल हैं, जो दूर से उपयोगकताओं का पता लगाते हैं और तदनुसार बिन खोलने के लिए मोटर को सक्रिय करते हैं। प्रधानाचार्य दिनेश कुमार ने साफ-सफाई और स्वच्छता को बढ़ावा देने में परियोजना के महत्व पर प्रकाश डाला।

पूरे हरियाणा में निजी और सरकारी स्कूलों में दाखिले के लिए विद्यार्थियों, अभिभावकों के लिए कोई स्क्रीनिंग टेस्ट नहीं

हरियाणा : पूरे हरियाणा में निजी और सरकारी स्कूलों में दाखिले के लिए कोई स्क्रीनिंग टेस्ट नहीं होगा। कुछ स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को स्क्रीनिंग टेस्ट देने की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए, हयाना सरकार ने आज जिला स्तर के अधिकारियों से इस कदाचार पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा।

कोई भी व्यक्ति या स्कूल, किसी बच्चे को प्रवेश देते समय, कोई कैपिटेशन एकत्र नहीं करेगा या बच्चे को स्क्रीनिंग प्रक्रिया के अधीन नहीं करेगा। स्कूल या व्यक्ति को जुमार्ने से दंडित किया जाएगा जो पहले उल्लंघन के लिए 25,000 रुपये और प्रत्येक के लिए 50,000 रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। बाद में उल्लंघन, शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के नियम 13 का हवाला देते हुए स्कूल शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी एक आदेश आज यहां कहा गया। आदेश में जिला स्तर के अधिकारियों को विभिन्न प्रावधानों, विशेष रूप से आरटीई अधिनियम के नियम 13 को अक्षरशः लागू करने का निर्देश दिया गया। आरटीई अधिनियम 6-14 वर्ष की आयु वर्ग के बीच समाज के गरीब वर्गों के कुछ प्रतिशत बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी देता है।

जमीनी विवाद में रिश्तेदारों को गोलियों से भूना, भाई-भतीजे गिरफ्तार

रोहतक। रोहतक के गांव भैणी चंद्रपाल निवासी व्यक्ति की हत्या करने के आरोपी सगे भाई व दो भतीजों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपी 4 मार्च को जमीनी विवाद में हत्या के बाद मौके से फरार हो गए थे। वहीं पुलिस ने भी आरोपियों पर ईनाम की घोषणा की थी। पुलिस के लिए इनकी गिरफ्तारी चुनौती बनी हुई थी। वहीं आरोपी हत्या के बाद राजस्थान में जाकर छिप गए। बाद में तीनों आरोपी झज्जर में आकर रहने लगे। जहां से पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान गांव भैणी चंद्रपाल निवासी अजमेर व उनके बेटे रसूक व मोहित के रूप में हुई है। बता दें कि रोहतक गांव भैणी चंद्रपाल करीब 52 वर्षीय रूप सिंह की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी। जिसके

बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। वहीं पुलिस ने मृतक रूप सिंह के परिजनों के बयान दर्ज किए।

जिसके आधार पर हत्या का केस दर्ज कर लिया। बयानों में जमीन के बंटवारे का विवाद सामने आया। जिसको लेकर काफी समय से विवाद चला आ रहा था। वहीं वर्षी 2023 में भी इनके झगड़े को लेकर महम थाना में केस दर्ज किया गया था। आपसी विवाद को लेकर अजमेर अपने परिवार के साथ चरखी दादरी में रहता था। पुलिस के अनुसार वे 3 मार्च को गांव भैणी चंद्रपाल में आए। यहां पर उन्होंने पहले रूप सिंह की रैकी की। इसके बाद 4 मार्च को गोली मारकर हत्या कर दी और चरखी दादरी भाग गए। चरखी दादरी से ट्रैक्टर-ट्राली में अपना सामान लेकर राजस्थान के झूंझनू चले गए। वहां रहने लगे। इसके बाद आरोपी झज्जर के गांव ढाकला में आकर रहने लगे। जहां से पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एवीटी स्टाफ प्रभारी रकसतीश कादयान ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार करके 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। वहीं आरोपियों से 106 जिंदा राउंड व तीन कटटे बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बिहार के मुंगेर से हथियार लेकर आए थे।

संदिग्ध हत्या में 65 वर्षीय व्यक्ति मृत पाया गया

यमुनानगर जिले के खारवन गांव में एक 65 वर्षीय व्यक्ति अपने घर पर मृत पाया गया। मृतक, जिसकी पहचान छोटू मसीह के रूप में हुई है, के घरेलू सामान बिखरे हुए पाए गए।

उसके परिजनों को आशंका है कि लूटपाट के लिए अज्ञात लोगों ने छोटू की हत्या कर दी है. खारवन गांव के चंद्रभान की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धारा 460 (सभी व्यक्ति संयुक्त रूप से रात में छिपने, घर में अतिक्रमण करने या घर तोड़ने में शामिल थे, जहां उनमें से किसी एक की वजह से मौत या गंभीर चोट लगने पर दंडनीय है) के तहत मामला दर्ज किया गया था। आज जगाधरी के सदर थाने में आई.पी.सी. शिकायतकर्ता ने कहा कि उसका बड़ा भाई छोटू मसीह अपने घर में अकेला रहता था क्योंकि उसकी पत्नी की कई साल पहले मृत्यु हो गई थी और उनके कोई बच्चा नहीं था।

उन्होंने कहा कि आजीविका कमाने के लिए उन्होंने ऑटोरिक्शा चलाया ।उन्होंने बताया कि उनका भाई रोज सुबह चाय नाश्ता करने उनके घर आता था ।उन्होंने कहा कि जब वह शुक्रवार की सुबह नहीं आए तो वह उन्हें देखने के लिए उनके घर गए। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया, ₹मेरा भाई वहां मृत पड़ा था और घर का सामान बिखरा हुआ था ।₹ उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाई की अज्ञात लोगों ने डकैती के इरादे से हत्या कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

सीएम सैनी की पत्नी ने अपने पति के लिए मांगे वोट

करनाल विधानसभा उपचुनाव के चुनावी रण में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पत्नी सुमन सैनी ने अपने पति के लिए चुनाव प्रचार तेज कर दिया है.

सीएम सैनी को भाजपा ने करनाल विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव में मैदान में उतारा है, जो पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी, जिन्हें करनाल लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया था।

करनाल विधानसभा क्षेत्र के अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने ग्रामीण मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित किया और गांवों में कई बैठकें कीं।

पूर्व मेयर रेनू बाला गुप्ता, पूर्व सीएम के मीडिया समन्वयक जगमोहन आनंद की पत्नी रेखा आनंद, निर्मला बैरागी, मेघा भंडारी, मीना कंबोज और अन्य सहित स्थानीय महिला नेताओं के साथ, सुमन सैनी ने मतदाताओं से वादा किया कि पूर्व सीएम खट्टर द्वारा निर्धारित विकास दृष्टिकोण को पूरा किया जाएगा। उसी जोश और जज्बे के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने पूर्व सीएम खट्टर के लिए वोट भी मांगे. कच्छवा में सीएम की पत्नी ने लोगों से पीएम मोदी के हाथों को मजबूत करने के लिए खट्टर को चुनने और उन्हें लोकसभा में भेजने का आग्रह किया।

खरीदे गए अनाज के उठाव की सुस्त गति से किसान परेशान

यहां की अनाज मंडियों में खरीदे गए गेहूं के उठान की सुस्त गति और प्रकृति के प्रकोप ने किसानों को संकट में डाल दिया है। आज तेज हवाओं के साथ हुई बारिश ने अनाज मंडियों में पड़ी फसलें भिगो दीं। उठान कार्य की धीमी गति पर चिंता के कारण सिरसा आढ़ती एसोसिएशन ने प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम जारी किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोहर मेहता ने इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए शुक्रवार को एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान ठेकेदारों और हैफेड के अधिकारियों की कार्यप्रणाली के खिलाफ शिकायतें सामने आईं। किसानों ने ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की कमी और उठान कार्यों के लिए ट्रकों की अपर्याप्त संख्या पर निराशा व्यक्त की। गेहूं की फसल बोरियों में ढेर होने के कारण उठान में देरी से किसानों और व्यापारियों दोनों पर वित्तीय दबाव पड़ रहा है। खराब मौसम ने स्थिति को और खराब कर दिया है, जिससे कटी

हुई गेहूं के लिए खतरा पैदा हो गया है। इसके अलावा, अनाज मंडियों की खुली व्यवस्था के कारण कटाई किए गए गेहूं को गुरुवार की रात और शुक्रवार की सुबह बारिश का सामना करना पड़ा। किसान अपनी फसलों को भीगने से बचाने के लिए तिरपाल से ढकने की जद्दोजहद करते दिखे। नतीजतन, आगे की बारिश की आशंका में गेहूं की कटाई की गतिविधियों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। मेहता ने स्थिति का जायजा लेने के लिए सभी हितधारकों की एक बैठक बुलाई। बैठक के दौरान हैफेड के जिला प्रबंधक भी मौजूद रहे। मेहता ने त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल देते हुए गेहूं उठाव में तेजी लाने के लिए वाहनों की संख्या बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर गेहूं उठान कार्य में तेजी नहीं लाई गई तो मंडी में पूर्ण हड़ताल की जाएगी। इसके अलावा, मेहता ने गेहूं उठाव में देरी के कारण किसानों को होने वाली वित्तीय कठिनाइयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जब तक बाजार में लाया गया गेहूं उठा नहीं लिया जाता, तब तक किसानों को भुगतान नहीं मिलता है, जबकि वे पहले ही अपनी उपज बेच चुके होते हैं। भुगतान में यह देरी किसानों के लिए वित्तीय संकट को बढ़ा रही है।

इस बीच, लअऱ्ऱुऊ के जिला प्रबंधक मांगेराम ने चुनौतियों को स्वीकार किया लेकिन देरी के लिए लॉजिस्टिक मुद्दों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि हालांकि ठेकेदारों के पास 90 ट्रक उपलब्ध थे, लेकिन गेहूं उठाने की प्रक्रिया कुशलतापूर्वक पूरी नहीं की गई है। उन्होंने देरी के लिए आंशिक रूप से बिहार में चुनावों के कारण श्रमिकों और वाहनों की कमी का हवाला दिया। हालाँकि, उन्होंने आश्वासन दिया कि इन मुद्दों को सुधारने और खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिले की अनाज मंडियों में 2,35,752 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है।

शॉर्ट टर्मिनेट होने और डायवर्ट होने के कारण रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ

अंबाला डिवीजन के अंबाला-साहनेवाल खंड पर शंभू स्टेशन पर चल रहे किसान आंदोलन के कारण बड़ी संख्या में ट्रेनों के रद्द होने, शॉर्ट टर्मिनेट होने और डायवर्ट होने के कारण रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

हरियाणा : अंबाला डिवीजन के अंबाला-साहनेवाल खंड पर शंभू स्टेशन पर चल रहे किसान आंदोलन के कारण बड़ी संख्या में ट्रेनों के रद्द होने, शॉर्ट टर्मिनेट होने और डायवर्ट होने के कारण रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

एक ओर जहां सरकार और किसानों के बीच गतिरोध जारी है, वहीं यात्रियों को असुविधा हो रही है। जानकारी के मुताबिक, किसानों का धरना शुरू होने के बाद से करीब 375 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं।

दिल्ली-पठानकोट एक्सप्रेस, शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस, नई दिल्ली-

अमृतसर स्वर्ण शताब्दी और हरिद्वार-अमृतसर जनशताब्दी सहित कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं, जबकि वाराणसी-जम्मू तवी, धनबाद-फिरोजपुर, गुवाहाटी-जम्मू तवी सहित कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं। , कटिहार-अमृतसर, बांद्रा टर्मिनस-कटरा, कोचुवेली-अमृतसर, जयनगर-अमृतसर और नई दिल्ली-अमृतसर शताब्दी वैकल्पिक मार्गों पर चल रही थीं।

एक यात्री रमन कुमार ने कहा कि किसान अपनी इच्छा के अनुसार सड़कों और ट्रैक को अवरुद्ध कर रहे हैं, लेकिन सरकार कोई चिंता नहीं दिखा रही है। यात्रियों ने योजना बनाकर पहले से रिजर्वेशन कराया और अचानक ट्रेनें रद्द कर दी गईं। उन्होंने कहा, ₹केवल यात्रियों को ही असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।एक अन्य यात्री पवन ने कहाः कुछ पारिवारिक समस्या थी और मुझे अपनी वृद्ध मां के साथ दिल्ली पहुंचना था, लेकिन मुझे बताया गया कि हमारी ट्रेन रद्द कर दी गई है। सरकार को इस मामले को सुलझाना चाहिए। इस बीच, अंबाला डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) मनदीप सिंह भाटिया ने कहा, ह्लट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। रद्दीकरण को कम करने के लिए डायवर्जन बढ़ाया जा रहा है। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित न हो इसके लिए यात्री ट्रेनों के बीच मालगाड़ियों को भी धकेला जा रहा है। हालाँकि, अगर ट्रैक जल्द ही बहाल नहीं किया गया, तो कोयला, पेट्रोलियम, सीमेंट और खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

अधिकारी सप्ताहांत पर स्कूल बसों का सुरक्षा ऑडिट करेंगे

जिले भर में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) सप्ताहांत के दौरान स्कूल बसों का सुरक्षा ऑडिट करेगा। जानकारी के अनुसार, जिले में लगभग 550 पंजीकृत निजी स्कूल संचालित हैं, जिनके पास लगभग 1,400 बसें हैं।

सूत्रों ने दावा किया कि परिचालन में बसों की संख्या पंजीकृत संख्या से अधिक हो सकती है क्योंकि कुछ ऑपरेटर अनिवार्य सुरक्षा जांच और निरीक्षण के बिना बसें चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 180 स्कूल बसें अनिवार्य सुरक्षा निरीक्षण के बिना चल रही हैं, हालांकि कुछ ने हाल ही में सुरक्षा जांच की है। सेफ्टी ऑडिट के बाद विभाग के पास स्कूलों में इस्तेमाल होने वाले फिट और अनफिट वाहनों का पूरा डेटा होगा। आरटीए कार्यालय के आंकड़ों से पता चला है कि उन्होंने 12 से 19 अप्रैल तक 421 बसों का निरीक्षण किया है, जिनमें से 53 का चालान किया गया है और छह को जब्त कर लिया गया है। नियमों का उल्लंघन करने पर बसों पर चालान के रूप में 1,91,500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। एसडीएम ने भी अपने क्षेत्रों में बसों का निरीक्षण किया और दिशानिर्देशों का पालन न करने पर कुछ बसों का चालान किया। उपायुक्त (डीसी) उत्तम सिंह ने कहा कि अधिकारियों को स्कूल बसों और छात्रों को लाने-ले जाने में शामिल अन्य वाहनों में सभी सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

छह लाख क्विंटल से ज्यादा गेहूं खुले में, डीसी ने अधिकारियों से जवाब मांग

कैथलः की चीका की मंडियों में लगभग साढ़े नौ लाख क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी थी, जिसमें से लगभग नौ लाख क्विंटल गेहूं सरकारी खरीद एजेंसी हैफेड व डीएफएससी ने खरीदा है। जानकारी के अनुसार डीएफएससी ने तो अपने हिस्से का कुछ गेहूं का मंडी से उठान करवाया है।

कैथल की चीका की अनाज मंडी में आसमान तले छह लाख क्विंटल से अधिक गेहूं की फसल की पड़ी है। सीजन शुरू होने के 18 दिनों बाद भी गेहूं का एक भी कट्टा गोदामों तक नहीं पहुंचाया गया है। यह जानकारी मिलने के बाद उपायुक्त कैथल प्रशांत पंवार ने गहरी नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों, मंडी एसोसिएशन व संबंधित ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई है।

चीका मंडी में गेहूं के उठान में हो रही देरी की सूचना के बाद बृहस्पतिवार को उपायुक्त प्रशांत पंवार चीका पहुंचे थे। अपने चीका दौरे के दौरान उपायुक्त ने मंडी का निरीक्षण किया

और उसके बाद मार्केट कमेटी कार्यालय में अधिकारियों व आढ़तियों की बैठक ली। बैठक में डीएफएससी निशांत राठी, डीएम हैफेड कृष्ण श्योराण, एसडीएम गुहला कृष्ण कुमार, नायब तहसीलदार सुरेश कुमार सहित स्थानीय अधिकारी भी मौजूद थे। डीसी ने गेहूं उठाने में हो रही देरी पर अधिकारियों से जवाब मांगा।

इस दौरान मंडी प्रधान जयपाल गर्ग व मांगे राम जिंदल सहित कई आढ़तियों ने गेहूं उठाने में तेजी लाने के लिए उपायुक्त के समक्ष अपने सुझाव रखे। इस दौरान डीसी ने मंडी में गेहूं उठान का कार्य कर रहे ठेकेदार जगजीवन पाल सिंह व प्रगट सिंह से भी जवाबतलबी करते हुए उठान के काम में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए ।बृहस्पतिवार तक चीका की मंडियों में लगभग साढ़े नौ लाख क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी थी, जिसमें से लगभग नौ लाख क्विंटल गेहूं सरकारी खरीद एजेंसी हैफेड व डीएफएससी ने खरीदा है। जानकारी के अनुसार डीएफएससी ने तो अपने हिस्से का कुछ गेहूं का मंडी से उठान करवाया है लेकिन खरीद शुरू होने के 18 दिनों बाद भी हैफेड अपने हिस्से की गेहूं का एक भी कट्टा गोदामों तक नहीं पहुंचा पाया है। बैठक के बाद उपायुक्त ने हैफेड के गोदामों का भी निरीक्षण किया।

किसानों की सुविधा के लिए भी दिए निर्देश

गुहला अनाज मंडी के दौरे के दौरान डीसी प्रशांत पंवार ने अधीनस्थों को निर्देश दिए कि किसानों की सुविधा के लिए बिजली, पानी, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं निरंतर ठीक प्रकार से होनी चाहिए। उन्होंन कहा कि संबंधित एजेंसिया और ट्रांसपोर्टर उठान का कार्य तेजी से करें, ताकि मंडी में अपनी फसल को लेकर आने वाले दूसरे किसानों को जगह और जाम जैसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़े। इस मौके पर उन्होंने किसानों व आढ़तियों से बातचीत करके उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने दौरे के दौरान हैफेड गोदाम का निरीक्षण किया और पूर्ण फीडबैक ली। इस मौके पर एसडीएम कृष्ण कुमार, डीएफएससी निशांत राठी, मार्केट कमेटी सचिव सतबीर राविश तथा संबंधित खरीद एजैंसियों के अधिकारी मौजूद रहे।

उपायुक्त ने राइस मिलरों से मांगा सहयोग

चीका दौरे के दौरान उपायुक्त ने राइस मिलर एसोसिएशन के पदाधिकारियों की भी बैठक ली और उनसे अपने वाहनों द्वारा गेहूं को गोदामों तक पहुंचने में एजेंसियों का सहयोग करने को कहा। राइस मिलर सतीश कंसल व मुकेश गोयल ने उपायुक्त को भरोसा दिलाया कि खरीद एजेंसियां अनलोड के लिए प्वाइंट बताए, राइस मिलर अपने वाहनों से गेहूं को गोदामों तक पहुंचाने में हर संभव सहयोग करेंगे।

हमेशा रही उठान की समस्या

चीका अनाज मंडी में गेहूं के सीजन में हर साल उठान की समस्या देखने को मिलती है। गेहूं उठान का कार्य करने वाला ठेकेदार टेंडर तो छुड़ा लेते हैं लेकिन समय पर पर्याप्त वाहन उपलब्ध नहीं करवाते। दूसरी तरफ आढ़तियों की आपसी खींचतान व चहेतों को फायदा पहुंचाने की सोच भी उठान के कार्य को सुचारु रूप से नहीं चलने देते जिसके चलते सीजन गुजरने के कई महीनों बाद तक गेहूं मंडी में खुले आसमान के नीचे सड़ता रहता है।

संपादकीय

मिठास का वार

हाल के दिनों में देश में आई जागरूकता के चलते कईऐसे खुलासे हुए हैं, जिसमें बहुराष्ट्रीय खाद्य उत्पादों के हथकंडों का पता चला है। जिन खाद्य उत्पादों को दशकों से बच्चों की सेहत का राज बताया जा रहा था, परीक्षणों में पाया गया कि तेज मीठे की लत डालकर बच्चों को स्थायी ग्राहक बनाया जा रहा था। जांच के बाद सरकार ने बॉर्नविटा को सेहतवर्धक बताने वाले प्रचार को रोकने के लिये कहा था। अब इस कड़ी में बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले ने सफाई दी है कि उसके शिशु आहार उत्पादों में चीनी की मात्रा घटाई गयी है। यानी इससे पहले बच्चों को इस उत्पाद की आदत डालने के लिये भारत में इसमें अधिक चीनी की मात्रा मिलायी जा रही है। दरअसल, हाल ही में एक स्विस स्वयं सेवी संगठन ह्यपब्लिक आईह्न और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के निष्कर्षों से खुलासा हुआ कि नेस्ले कंपनी ने यूरोप के अपने बाजारों की तुलना में भारत तथा अन्य विकासशील देशों, अफ्रीका व लैटिन अमेरिकी देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे। नेस्ले इंडिया का दावा है कि उसने अब अपने उत्पादों में तीस फीसदी तक चीनी की कटौती की है। उल्लेखनीय है कि यह कंपनी नेस्कैफे, सेरेलैक व मैगी जैसे चर्चित उत्पादों का कारोबार करती है। इस बहुराष्ट्रीय कंपनी का रवैया कितना भेदभावपूर्ण व दुराग्रह से भरा हुआ है कि छह महीने के बच्चों को दिया जाने वाला नेस्ले का गेहूं पर आधारित उत्पाद सेरेलैक ब्रिटेन तथा जर्मनी में बिना किसी अतिरिक्त चीनी के बेचा जाता है। लेकिन भारत में सेरेलैक के 15 उत्पादों के अध्ययन के बाद खुलासा हुआ है कि एक बार के खाने में औसतन 2.7 ग्राम चीनी थी। अन्य विकासशील देश फिलीपीन्स में चीनी की मात्रा 7.3 ग्राम पाई गई। ऐसा शिशुओं को इसकी लत लगाने और लागत घटाने के मकसद से किया गया। जो निश्चित रूप से शिशुओं के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिससे कईतरह के रोगों का भी जन्म होता है। यह विडंबना ही है कि उपनिवेशवाद के चलते पूरी दुनिया का शोषण करने वाले यूरोपीय व पश्चिमी देश लोकतांत्रिक स्वरूप वाले विश्व में भी व्यापारिक हथकंडों के जरिये विकासशील देशों का दोहन कर रहे हैं। दरअसल, खाद्य पदार्थों व शीतल पेयों में अधिक चीनी व नमक के जरिये युवाओं को भी इन उत्पादों की लत लगाई जाती है। इससे उन्हें एक अलग से खुशी का अहसास होता है। जिससे कालांतर गैर संक्रमणीय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इस अस्वस्थ खाना–पान से कई रोग उत्पन्न होते हैं। इन स्वास्थ्य समस्याओं में वजन बढ़ना, मोटापा और कालांतर मधुमेह जैसे रोग हो सकते हैं। इसी तरह शीतल पेय, डिब्बा बंद जूस तथाकथित एनर्जी ड्रिंक्स तथा बिस्कुट में चीनी की मात्रा काफी अधिक होती है। इन उत्पादों की गिनती अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के रूप में होती है। हाल के दिनों में एक ब्रिटिश जनरल में खुलासा हुआ कि ऐसे खाद्य पदार्थों से उम्र पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। भारतीय चिकित्सक खुलासा कर रहे हैं कि यदि आपकी डाइट में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की मात्रा दस प्रतिशत से ज्यादा होती है तो व्यक्ति के शरीर में कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग व अवसाद जैसे रोग उत्पन्न हो सकते हैं। भारत में हाल के दिनों में इन रोगों से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से विस्तार हुआ है। इस संकट का समाधान तभी हो सकता है जब हम देश में उपभोक्ताओं को जागरूक करें। साथ ही हर उत्पाद में इस बात का उल्लेख होना चाहिए कि किसी खाद्य या पेय पदार्थ में कितनी मात्रा में नमक या चीनी का उपयोग किया गया है। यदि कम शर्करा वाली वस्तु है तो स्पष्ट होना चाहिए कि यह मात्रा कितना रखी गई है। दरअसल, इन उत्पादों में चीनी–नमक की मात्रा की निगरानी वाले तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत है। साथ ही देश में ऐसे प्रयोगशालाओं की स्थापना हर राज्य में की जाए जो लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले उत्पादों की जांच–पड़ताल कर सके।

भगवान महावीर हैं सार्वभौम धर्म के प्रणेता

सदियों पहले महावीर जनमे। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को झेला, कष्टों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती है। महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। वे सार्वभौम धर्म के प्रणेता थे, उनके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना थी। इस वर्ष भगवान महावीर की 2550 वां निर्वाण महोत्सव मनाया जा रहा है, उनकी जन्म जयन्ती एवं निर्वाण महोत्सव न केवल जैन धर्म के अनुयायियों के लिये बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिये उन्नत जीवन का आधार है, निर्वाण महोत्सव का भव्य आयोजन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम्-सभागार में 21 अप्रैल, 2024 को चारों जैन सम्प्रदायों के आचार्यों, मुनिराजों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति में करेंगे।

भगवान महावीर की मूल शिक्षा है- ह्यअहिंसाह्न। सबसे पहले ह्यअहिंसा परमो धर्मःह्न का प्रयोग हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के पावन ग्रंथ ह्यमहाभारतह्न के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने। भगवान महावीर ने अपनी वाणी से और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा के साथ भगवान महावीर का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। ह्यआत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम् न समाचरेत्ह्नह्न इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

एक बार महावीर और उनका शिष्य गोशालक एक घने जंगल में विचरण कर रहे थे। जैसे ही दोनों एक पौधे के पास से गुजर रहे थे। शिष्य से दुश्मन बन चुके गोशालक ने महावीर से कहा, यह पौधा देखिए, क्या सोचते हैं आप, इसमें फूल लगेंगे या नहीं लगेंगे? महावीर आंख बंद करके उस पौधे के पास खड़े हो गए, और कुछ देर बाद आंखें खोलते हुए उन्होंने कहा, फूल लगेंगे। गोशालक ने महावीर का कहा सत्य न हो, इसलिये तत्काल पौधे को उखाड़ कर फेंक दिया, और जोर-जोर से हंसने लगा। महावीर उसे देखकर मुस्कराए। सात दिन बाद दोनों उसी रास्ते से लौट रहे थे। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उखाड़ा था, उन्होंने देखा कि वह पौधा खड़ा है। इस बीच तेज वर्षा हुई थी, उसकी जड़ों को वापस जमीन ने पकड़ लिया, इसलिए वह पौधा खड़ा हो गया था।

महावीर फिर आंख बंद करके उसके पास खड़े हो गए। पौधे को खड़ा देखकर गोशालक बहुत परेशान हुआ। गोशालक की उस पौधे को दोबारा उखाड़ फेंकने की हिम्मत न पड़ी। महावीर हंसते हुए आगे बढ़े। गोशालक ने इस बार हंसी का कारण जानने के लिए उनसे पूछा, आपने क्या देखा कि मैं फिर उसे उखाड़ फेंकूगा या नहीं? तब महावीर ने कहा, यह सोचना व्यर्थ है। अनिवार्य यह है कि यह पौधा अभी जीना चाहता है, इसमें जीने की ऊर्जा है, और जिजीविषा है। तुम इसे दूबारा उखाड़ फेंक सकते हो या नहीं-यह तुम पर निर्भर है। लेकिन पौधा जीना चाहता है, यह महत्वपूर्ण है। तुम पौधे से कमजोर सिद्ध हुए और हार गए। और जीवन हमेशा ही जीतता है। जीवन में आने वाली मुश्किलों का सामना करने के लिए जरूरी है, आशावादी रहना।

भगवान महावीर का जन्म दिवस एक दस्तक है। उन्होंने बाहरी लड़ाई को मूल्य नहीं दिया, बल्कि स्व कर सुरक्षा में आत्म-युद्ध को जरूरी बतलाया। उन्होंने जो कहा, सत्य को उपलब्ध कर कहा। उन्होंने सबके अस्तित्व को स्वीकृति दी। ह्यणो हीणे णो अइरित्तेह्न-उनकी नजर में न कोई ऊंचा था, न कोई नीचा। उनका अहिंसक मन कभी किसी के सुख में व्यवधान नहीं बना। उन्होंने अपने होने का अहसास जगाकर अहं को खड़ा नहीं होने दिया। इसीलिये उनकी शिक्षाओं एवं उपदेशों का हमारे जीवन और विशेषकर व्यावहारिक जीवन में विशेष महत्व है। हम अपने जीवन को उनकी शिक्षाओं के अनुरूप ढाल सकें, यह अधिक आवश्यक है लेकिन इस विषय पर प्रायः सन्नाटा देखने को मिलता है। हम महावीर को केवल पूजते हैं, जीवन में धारण नहीं करते हैं। हम केवल कर्मकाण्ड और पूजा विधि में ही लगे रहते हैं। महावीर का यह संदेश जन-जन के लिये सीख बने- ह्यपुरुष! तू स्वयं अपना भाग्यविधाता है।ह्न औरों के सहारे मुकाम तक पहुंच भी गए तो क्या? इस तरह की मंजिलें स्थायी नहीं होती और न इस तरह का समाधान कारगर होता है।

भगवान महावीर कितना सरल किन्तु सटीक कहा हैं- सुख सबको प्रिय है, दुःख अप्रिय। सभी जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता। हम जैसा व्यवहार स्वयं के प्रति चाहते हैं, वैसा ही व्यवहार दूसरों के प्रति भी करें। यही मानवता है और मानवता का आधार भी। मानवता बचाने में है, मारने में नहीं। किसी भी मानव, पशु-पक्षी या प्राणी को मारना, काटना या प्रताड़ित करना स्पष्टतः अमानवीय है, क्रूरतापूर्ण है। हिंसा-हत्या और खून-खच्चर का मानवीय मूल्यों से कभी कोई सरोकार नहीं हो सकता। मूल्यों का सम्बन्ध तो ह्यजियो और जीने दोह्न जैसे सरल श्रेष्ठ उद्घोष से है।

एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है, क्या सुख को स्थायी बनाया जा सकता है? क्या दुःख को समाप्त किया जा सकता है? इसका सीधा उत्तर होगा कि भौतिक जगत में ऐसा होना कभी संभव नहीं है। जब तक भौतिक जगत में जीएंगे तब तक यह स्वप्न लेना दिवास्वप्न है, कल्पना करना आकाश कुसुम जैसा है। आकाश में कभी फूल नहीं लगता। यह असंभव बात है कि इंद्रिय जगत में आदमी जीए और वह सुख या दुःख एक का ही अनुभव करे, यह द्वंद्व बराबर चलता रहेगा। तब व्यक्ति के मन में एक जिज्ञासा पैदा होती है कि ऐसा कोई उपाय है जिससे सुख को स्थायी बनाया जा सके? इसका समाधान है स्वयं का स्वयं से साक्षात्कार। इसके लिये जरूरी है हर क्षण को जागरूकता से जीना। उसको जीने के लिये भगवान महावीर ने कहा था-ह्यखणं जाणाहि पंडिएह्न, जो क्षण को जानता है, वह सुख और दुःख के निमित्त को जानता है।

आज मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है। जरूरी है कि हम महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें जीवन और आचरण में उतारें। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है।

(चिंतन-मनन)

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स–खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय–विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षों में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब–कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है।

सूक्ति

तलवार ही सब कुछ है, उसके बिना न मनुष्य अपनी रक्षा कर सकता है और न निर्बल की। - गुरु गोविंद सिंह

निज भाषा उन्नति अहै, सब भाषा को मूल। बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को शूल। - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

राशिफल

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि त्रियोदशी, रविवासरे, उ.फा. नक्षत्रे, कौलव योगे, तैतिलकरणे, कन्या की चंद्रमा, प्रदोष 13 क्रत, श्री अनंग 13 क्रत श्री महावीर जयंती (जैन) राष्ट्रीय बैसाख मास दिन 1/10 से जययोग तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक स्वाभिमानी, दम्भी, कम्प्यूटर इंजीनियर, ऑपरेटर, बैंक कर्मचारी, लेखापाल, क्लर्क, प्रबंधक होगा।

मेष राशि :– तनाव पूर्ण वातावरण से बचिये, स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी अवश्य बनेगी।

वृष राशि :– अधिकारियों के समर्थन से सुख होगा, कार्यगति विशेष अनुकूल होगा।

मिथुन राशि :– भोग–एश्वर्य प्राप्ति के बाद तनाव व क्लेश होगा, तनाव से बचकर अवश्य रहें।

कर्क राशि :– अधिकारियों का समर्थन फलप्रद हो, भाग्य का सितारा साथ देगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे।

सिंह राशि :– परिश्रम सफल हो, व्यवसाय गति मंद हो, आर्थिक योजना पूर्ण अवश्य ही होगी।

कन्या राशि :– कार्य–व्यवसाय गति सामान्य रहे, व्यर्थ परिश्रम, कार्य गति मंद होगी।

तुला राशि :– किसी दुर्घटना से बचें, चोट–चपेट आदि कम हो, रुके कार्य व्यवसाय होंगे।

वृश्चिक राशि :– कार्यगति अनुकूल रहे, लाभांवित कार्य योजना बनेगी, बाधा आदि से बचें।

धनु राशि :– कुछ प्रतिष्ठा के साधन बनें किन्तु हाथ में कुछ न लगे, कार्य अवरोध होगा।

मकर राशि :– अधिकारी वर्ग से तनाव, क्लेश होगा, मानसिक अशांति के कार्य बनें, ध्यान दें।

कुंभ राशि :– मनोबल बनाये रखें, हाथ में कुछ न लगे किन्तु नया कार्य अवश्य ही होगा।

मीन राशि :– दैनिक कार्यगति उत्तम, कुटुम्ब में सुख समय उत्तम बनेगा, समय का ध्यान अवश्य रखें।

सियासत के किले हैं , तो वे ढहेंगे भी...

राकेश अचल

देश -दुनिया में दुर्ग यानि किले सत्ताधीशों के ही बनते आये है। लेकिन ये दुर्ग जब लोकतंत्र में सियासी दल भी बनाते हैं तो उन्हें ढहाने का उपक्रम भी लगातार चलता रहता है। सियासत के दुर्ग या तो राजनीतिक दल की विचारधारा के आधार पर बनाये जाते हैं या फिर व्यक्तित्व के आधार पर। आजादी के बाद यदि किसी राजनीतिक दल का सबसे मजबूत किला था तो वो था कांग्रेस का । लेकिन बाद में अधिकांश राजनीतिक दलों ने अपने-आपने इलाकों में किलों के बजाय छोटी-छोटी गढ़ियाँ बनाना शुरू कर दीं। आजकल देश में कहते हैं कि सबसे ज्यादा मजबूत किला भाजपा का है और उसे ढहाने में कांग्रेस समेत देश के तमाम छोटे-बड़े राजनीतिक दल लगे हुए हैं।

अतीत में झांके तो पाएंगे कि पहले सियासी किले अभेद्य हुआ करते थे। उनके ऊपर किसी भी तरह के हमलों का असर नहीं होता था ,क्योंकि ये किले विचारधारा की नींव पर खड़े किये गए थे। कांग्रेस,भाकपा,समाजवादी और दक्षिण पंथियों ने समय-समय पर अपने किले बनाये। इन किलों के जरिये देश में आरसे तक राजनीति भी खूब फली-फूली ,लेकिन जब किलों के ढहने का सिलसिला शुरू हुआ तो फिर रुका नहीं। एक जमाने में जहाँ-जहँ कांग्रेस के किले थे वहां-वहां क्षेत्रीय दलों ने उनके ऊपर कब्जा कर लिया। ये क्षेत्रीय किले कहीं-कहीं कांग्रेस के साथ भी खड़े हुए और कहीं एकदम अकेले।

पश्चिम बंगाल में वामपंथ का किला 25 साल तक अभेद्य रहा। उसे कांग्रेस से अलग हुई तृणमूल कांग्रेस की संस्थापिका सुश्री ममता बनर्जी ने तोड़ा। दक्षिण के क्षेत्रीय किले तोड़ने के लिए कांग्रेस और भाजपा लगातार कोशिश करती रही ,लेकिन उन्हें ध्वस्त नहीं कर पायी। कर्नाटक में किले ढहाने और उन पर कब्जे करने का सनातन खेल जारी है। भाजपा ने 2014 में कांग्रेस के किले को ही नहीं ढहाए बल्कि कांग्रेस की गढ़ियाँ भी ध्वस्त कर दीं। लेकिन अनेक राज्यों में क्षेत्रीय दलों के किले आज भी सुरक्षित हैं। मिसाल के तौर पर ओडिशा में बीजू जनता दल का किला। इन दिनों भाजपा का किला ढहाने के लिए कसबल लगाया जा रहा है। 2024 में भाजपा का किला ध्वस्त करने के लिए जगह-जगह सेंधमारी की जा रही है। कहीं कामयाबी मिल रही है और कहीं नहीं भी। दिल्ली और झारखण्ड कि किलेदारों को जेल की हवा भी खिला दी गयी है किन्तु ये किले यानि गढ़ियाँ जीती नहीं जा सकीं।

> भाजपा की अपनी ताकत से किसी को इंकार नहीं है और होना भी नहीं चाहिये। लेकिन भाजपा इस बार अपना किला बिभीषणों के जरिये बचाये रखना चाहती है। भाजपा ने अपने शरणार्थी शिविरों में आने वाले कांग्रेसियों को सम्मान और सामान दोनों दिए है। उनके तमाम पाप क्षमा कर दिए हैं ,लेकिन बात बनती दिखाई नहीं दे रही। भाजपा को अपना किला महफूज बनाये रखने के लिए कम से कम 400 गढ़ियाँ चाहिए। इन्हें हासिल करने के लिए भाजपा ने हर नाजायज तरीके को जायज मानकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।

भाजपा का किला राम नाम की ईंटों से बनाया गया है अभी ये किला 44 साल पुराना ही है। इस किले को बनाने में राम जी बार-बार काम आये लेकिन इस बार भाजपा के किले की अनेक बुर्जों पर विरोधियों ने जमकर सेंधमारी की है। लोकतंत्र में सियासी किले ढहाने के लिए मतदान सबसे बड़ा जरिया है। वोट के बम किले की किसी भी बुर्ज को ध्वस्त कर सकते हैं और इन्हीं क्षतिग्रस्त बुर्जों से किले के भीतर जाने के रस्ते बनाये जानते हैं। सियासी किलों की मरम्मत और हमलों का काम हर पांच साल में होता है। इस साल भी किले फतह करने, किले कमजोर करने की कवायद चल रही है । पहले हमले में 102 ठिकानों पर जोर -आजमाइश हुई है। अभी इसी तरह के छह हमले और किये जाने है।

सियासी किले बचने के लिए साम-दाम-दंड भेद के सात गोधन,गजधन ,बाजधन और रतनधन के अलावा इलेक्ट्रोरल बांड से मिले धन का भी इस्तेमाल किया जाता है। बाहुबल अब गौण हो गया है ,हालाँकि बंगाल जैसे राज्यों में अभी भी ये बाहुबल भी प्रचलन में हैं। जिसके पास जितना ज्यादा धन होता है वो उतना ज्यादा ताकतवर माना जाता है। इस समय भाजपा धनबल के मामले में सबसे ज्यादा मजबूत है। उसकी अक्षोहणी सेना में संघ दीक्षित स्वयं सेवकों के साथ अंधभक्तों की तादाद दूर दलों के मुकाबले सबसे ज्यादा है। अंधभक्तों की टुकड़ी सबसे ज्यादा ताकतवर मानी जाती है ,क्योंकि इसे अपने राजा के अलावा कोई दूसरा सूझता ही नहीं। मैंने अपने जीवन में अनेक मजबूत से मजबूत किले ध्वस्त होते देखे है। मैंने अनेक गढ़ियाँ बनते -बिगड़ते देखीं हैं। आपने भी देखी ही होंगीं लेकिन आपने शायद इनके बारे में ज्यादा गौर नहीं किया। जनता जनार्दन अक्सर इन किलों में या तो कैद रहती है या फिर अपने आपको महफूज महसूस कर इनसे बाहर नहीं निकलती। इन किलों में गरीबी परिवारों को पेट की आग बुझाने के लिउए मुफ्त का राशन और भाषण दोनों मिलता है । मनोरंजन के लिए रामधुन,आत्मशांति के लिए मंदिर की सुविधाएं भी मुहैया कराई जातीं है। कांग्रेस के किलों में मंदिर,मस्जिद,गुरुद्वारा और गिरजाघर सब होते हैं। पहले इन्हीं सुविधाओं की वजह से कांग्रेस के किलों में ज्यादा लोग बसते थे। लेकिन बाद में कांग्रेस के किले में भगदड़ मची। हाल के दिनों में टोकांग्रेस का किला छोड़कर भाजपा के किले में लगे शरणार्थी शिविर में सबसे ज्यादा आमद दर्ज कराई है।

भाजपा की अपनी ताकत से किसी को इंकार नहीं है और होना भी नहीं चाहिये । लेकिन भाजपा इस बार अपना किला बिभीषणों के जरिये बचाये रखना चाहती है। भाजपा ने अपने शरणार्थी शिविरों में आने वाले कांग्रेसियों को सम्मान और सामान दोनों दिए है। उनके तमाम पाप क्षमा कर दिए हैं ,लेकिन बात बनती दिखाई नहीं दे रही। भाजपा को अपना किला महफूज बनाये रखने के लिए कम से कम 400 गढ़ियाँ चाहिए। इन्हें हासिल करने के लिए भाजपा ने हर नाजायज तरीके को जायज मानकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। भाजपा को अपने दरबार के लिए जो नायब हीरे चाहिए वे जनता को ही चुनकर देना है। लेकिन चुनाव के पहले दौर में लक्षण अच्छे नहीं दिखाई दिए। आगे के छह चरणों में क्या होगा ,ये राम ही जानें ? मै राम की बात इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि भारत में एक दशक से सब कुछ राम के नाम पर ही हो रहा है। कभी-कभी भोले बाबा और योगाधीश कृष्ण का भी नाम लिया जाता है ,अभी राम का नाम सबसे ज्यादा चल रहा है।

हम तुलसी और कबीर के वंशज महासंग्राम के टीकाकार से ज्यादा कुछ नहीं है। हम ज्यादा से ज्यादा तुमुल ध्वनि कर सकते है। हमारी बिरादरी के कुछ लोग बाकायदा जिरह-बख्तर पहनकर भाजपा के लिए लड़ भी रहे हैं। किन्तु असल लड़ाई जनता लड़ रही ह। यदि कोई किला ढहता है या और मजबूत होता है तो इसका श्रेय किसी की गारंटी को नहीं बल्कि जनता की उदारता को दिया जाना चाहिए। अब देखिये आगे-आगे होता है क्या ?

न्यूज फ्लैश

सारण में लोक सभा के लिए 26 अप्रैल से 3 मई तक होगा नामांकन

छपरा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में शुक्रवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ बैठक आहुत की गई। सभी राजनीतिक दलों को नामांकन की प्रक्रिया, नामांकन के अवसर पर की गई व्यवस्थाओं एवं प्रावधानों के साथ साथ आदर्श आचार संहिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि नामांकन हेतु नाजिर रसीद (एन आर) जिला निर्वाचन शाखा से कटाना होगा। सामान्य वर्ग के प्रत्याशी के लिए नामांकन शुल्क 25 हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के प्रत्याशी के लिए नामांकन शुल्क 12500 रुपये निर्धारित है। बताया गया कि सारण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिये नामांकन 26 अप्रैल से 3 मई तक किया जा सकेगा। इस अवधि में 27 अप्रैल, 28 अप्रैल एवं 1 मई को छोड़कर शेष तिथियों को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक नामांकन दाखिल किया जा सकेगा। महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के लिए नामांकन 29 अप्रैल से 6 मई तक नामांकन दाखिल किया जायेगा। इस अवधि में 1 मई एवं 5 मई को छोड़कर शेष तिथियों को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक नामांकन दाखिल किया जा सकेगा ।नामांकन के अवसर पर आवश्यक विभिन्न प्रमाण पत्रों के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रस्तावकों के बारे में भी बताया गया ।चुनाव प्रचार से संबंधित लेखा जोखा के लिये नये बैंक एकाउंट की आवश्यकता के बारे में बताया गया। नामांकन के अवसर पर निवार्ची पदाधिकारी के कार्यालय के 100 मीटर की परिधि में अधिकतम 3 वाहन की अनुमति होगी। निवार्ची पदाधिकारी के कक्ष में प्रत्याशी सहित कुल 5 व्यक्तियों के ही प्रवेश की अनुमति होगी। नामांकन के अवसर पर यातायात व्यवस्था एवं पार्किंग के बारे में भी जानकारी दी गई। डिस्पैच सेंटर पर ईवीएम भेजने के लिये निर्गत मूवमेंट प्लान के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्त्ता, नगर आयुक्त, उपविकास आयुक्त, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्ष-प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

38 वोटरों के गांव का मतदान बूथ 12 किलोमीटर दूर, पैदल ही रास्ता महज चार मतदाता

बिहार : औरंगाबाद जिले में लोकसभा चुनाव 2024 में यातायात के साधनों के अभाव का असर वोटिंग पर पड़ा। इस वजह से औरंगाबाद के मदनपुर प्रखंड में लंगुराही पहाड़ के दुर्गम जंगली इलाके के ढकपहरी गांव के मात्र चार वोटर ही वोट डाल पाए। इस गांव में कुल 38 मतदाता हैं और इनका बूथ इनके गांव से करीब 12 किमी. दूर राजकीय मध्य विद्यालय छाली-दोहर- सड़ियार में स्थित है, जिसका बूथ नंबर 367 है।

सीआरपीएफ का है कैंप

अति नक्सल प्रभावित इस इलाके में सीआरपीएफ का कैंप है और कैंप तक जाने के लिए सड़क भी नक्सल ऑपरेशन को संचालित करने के उदेश्य को पूरा करने के लिए ही बनी है। इस रास्ते में पड़ने वाले लंगुराही, पचरुखिया, ढ़कपहरी एवं अन्य गांवों के लोग इसी रास्ते का आवागमन के लिए इस्तेमाल करते हैं। इस इलाके के लोगों के लिए पैदल ही सफर करना नियति है क्योंकि सड़क होने के बावजूद टेम्पो जैसे छोटे वाहन तक नहीं चलते हैं। इसी वजह से इस रास्ते का इस्तेमाल करते हुए गांव के 38 में से महज चार वोटर 18 किमी. की दूरी पैदल तय कर बूथ पर आए और लोकतंत्र के मतदान के महापर्व में अपनी भूमिका का निर्वहन किया।

मेला देखने निकले युवक की सड़क पर मिली लाश, फैली सनसनी

नालंदा। नालंदा में शुक्रवार को सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मामला कतरीसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत गिरियक शाहपुर मुख्य मार्ग के छाछु बीघा के समीप की है। मृतक की पहचान नवादा जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत मझानपुर गांव निवासी हीरा यादव के बेटे संदीप कुमार (24) के रूप में की गई है। संदीप के फुफेरे भाई सुधीर ने कहा कि उसका भाई मेला देखने की बात कहकर घर से निकला था। कुछ दोस्त से गिरियक बाजार में मिला था। इसके बाद दोस्तों से कहा कि वह मेला देखकर वापस लौट आएगा। रात करीब 2:00 बजे उसने फोन किया और कहा कि उसके साथ मारपीट की जा रही है। इसके बाद फोन कट जाता है। वह गांव के ही तीन चार लड़कों के साथ ढूंढते हुए रात में छाछु बीघा पहुंचते हैं। जहां संदीप का कहीं अता-पता नहीं चलता है। फोन भी स्विच ऑफ आता है। इसके बाद शुक्रवार की सुबह स्थानीय पुलिस के द्वारा घटना की जानकारी मिली। सूचना मिलने के बाद वो लोग मौके पर पहुंचे, जहां देखा की बेरहमी से संदीप की हत्या की गई है। हाथ-पैर को तोड़ दिया गया है। लाठी-डंडे का चोट शरीर पर दिख रहा है। हत्या किन कारणों से की गई है। उन्हें इसके बारे में पता नहीं है। संदीप कुमार तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। जबकि उससे बड़ी एक बहन है। वह ग्रेजुएशन पार्ट 2 की पढ़ाई कर रहा था। मां आशापुरी कॉलेज घोषरामा में उसने अपना नामांकन कराया हुआ था। वही इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। छाछु विगहा स्तिथ साई धाम में मेला लगा हुआ था। राजगीर ऊरढ प्रदीप कुमार ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा सूचना प्राप्त हुई की छाछु बीघा स्थित दरवेशपुर की तरफ जाने वाली पक्की सड़क पर एक युवक की लाश पड़ी हुई है। सूचना मिलने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए थानाध्यक्ष कतरीसराय और अंचल निरीक्षक गिरीयक के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया, जहां से मृत युवक के पास से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान नवादा निवासी के रूप में की गई। इसके बाद मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। प्रारंभिक पूछताछ में प्रेम प्रसंग में हत्या की बात सामने आई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। युवक का मोबाइल भी गायब है।

बिहार की सभी 40 सीटें पीएम मोदी की झोली में जाएंगी: बीजेपी उम्मीदवार बेगुसराय गिरिराज सिंह

बेगुसरायः बिहार की बेगुसराय सीट से अपना नामांकन दाखिल करने से पहले , केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को कहा कि एनडीए सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है, और वे सभी प्रधानमंत्री के पास जाएंगे। मंत्री मोदी. उन्होंने कहा, "एनडीए सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है, इसका मतलब है कि नरेंद्र मोदी सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, ये सभी सीटें पीएम मोदी को मिलेंगी।" इसके अलावा, एलजेपी प्रमुख चिराग पासवान पर अपमानजनक टिप्पणी करने पर राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि लोगों का वोट राजद प्रमुख के अहंकार को खत्म कर देगा। उन्होंने कहा, ₹चिराग पासवान दलित हैं, रामविलास पासवान दलित हैं, तेजस्वी यादव अपने अहंकार के कारण चिराग को गाली दे रहे हैं। लोगों का वोट उनके अहंकार को खत्म करेगा।₹ बेगुसराय लोकसभा क्षेत्र बिहार के 40 संसदीय क्षेत्रों में से एक है ।

2019 के चुनाव में गिरिराज सिंह ने सीपीआई नेता कन्हैया कुमार (अब कांग्रेस नेता) को हराकर आसान जीत हासिल की । अवधेश कुमार राय इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार के तौर पर बीजेपी के गिरिराज सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे . बिहार में सभी सात चरणों में 40 लोकसभा सीटों के लिए मतदान होगा। पहले चरण में चार सीटों- जमुई, नवादा, गया और औरंगाबाद पर मतदान चल रहा है। राज्य में चरण 2 से चरण 5 तक पांच सीटों पर मतदान होगा। चरण 6 और 7 में, आठ-आठ सीटों पर चुनाव होंगे। 2019 के लोकसभा चुनावों में , बीजेपी, जेडी (यू) (जनता दल-यूनाइटेड) और एलजेपी (लोक जनशक्ति पार्टी) से बने एनडीए ने 40 में से 39 सीटें जीतकर जीत हासिल की। भाजपा ने 24.1 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 17 सीटें जीतीं, जबकि जेडीयू ने 22.3 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 16 सीटों पर जीत हासिल की। एलजेपी ने 8 फीसदी वोट शेयर के साथ छह सीटें जीती थीं. जबकि राजद राष्ट्रीय जनता दल), कांग्रेस (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस) और आरएलएसपी (राधत्रिय लोक समता पार्टी) के नेतृत्व वाला महागठबंधन केवल एक सीट जीतने में कामयाब रहा।

देर रात लोगों से भरा ट्रैक्टर नहर में पलटा; तीन मौत, दर्जन भर लोग घायल

बिहार : आरा के चरपोखरी में देर रात बड़ा सड़क हादसा हुआ। भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो है, जबकि डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोग जख्मी हैं। सभी का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव के समीप हुई है। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच गई और रेस्क्यू कर सभी जख्मियों को इलाज के लिए अस्पताल में भेजा गया है।

तिलक समारोह से लौट रहे थे

चरपोखरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव में मुकुंदपुर छोटी नहर के पास तिलक से लौट रही ट्रैक्टर नहर में पलट गई। इस ट्रैक्टर पर 20 से 25 मजदूर बैठे हुए थे। सभी मजदूर मुकुंदपुर गांव के रहने वाले विनोद की बेटी फूला कुमारी के तिलक समारोह में गए थे। तिलक समारोह से वापस लौटने के दौरान ट्रैक्टर गांव के हो एक छोटी नहर के पास अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। साथ ही इस घटना में डेढ़ दर्जन के करीब लोग जख्मी है। मरने वालों में अगिआंव बाजार क्षेत्र के तिवारीडीह के खैरी गांव निवासी स्वर्गीय अघानु मुसहर का 60 वर्षीय पुत्र भदई मुसहर, अगिआंव बाजार के तिवारिडीह खैरी गांव के जगदीश मुसहर का 40 वर्षीय पुत्र निर्मल मुसहर और गड़हनी थाना क्षेत्र के नतमपुर गांव निवासी टेंगारी मुसहर का 40 वर्षीय पुत्र जगत मुसहर है। जगत मुसहर और निर्मल मुसहर आपस में जीजा साला थे। वहीं इस घटना में लगभग डेढ़ दर्जन लोग बुरी तरह जख्मी है। जिनका इलाज जिले के अलग अलग अस्पतालों और आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है।

चुनावी चर्चा के बीच नेताओं का एक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल होने का सिलसिला लगातार जारी

छपराः बिहार के सियासी गलियारों में चुनावी चर्चा के बीच नेताओं का एक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल होने का सिलसिला लगातार जारी है. हालांकि नेताओं के आंदोलन के दौरान उन्हें विरोध का भी सामना करना पड़ रहा है. अब ऐसा ही कुछ राजद छोड़कर जदयू में शामिल हुए पूर्व सांसद अहमद अशफाक करीम के साथ भी हो रहा है. हालांकि, इसके पीछे की वजह खुद करीम का वह बयान है, जिसमें उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ बात कही थी. बीजेपी का कहना है कि करीम का बयान गठबंधन धर्म के अनुकूल नहीं है. ऐसे में देखने वाली बात यह होगी कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी पार्टी में शामिल होने वाले नेता के प्रति क्या रुख अपनाते हैं.

अहमद अशफाक करीम का मामला क्या है?

दरअसल, जेडीयू में शामिल होने के बाद राजद के पूर्व राज्यसभा सदस्य अहमद अशफाक करीम ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि नीतीश कुमार ने बिहार को उत्तर प्रदेश नहीं बनने दिया. अब इस बयान पर बीजेपी नेताओं ने अपना गुस्सा जाहिर किया है. बीजेपी नेताओं ने विरोध जताया है और करीम की आलोचना की है. इसके साथ ही महागठबंधन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से धर्म का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की मांग की है.

बीजेपी ने यह भी कहा कि अगर करीम अपने बयान पर माफी नहीं मांगते हैं तो पार्टी विरोध प्रदर्शन के लिए मजबूर होगी. कटिहार में बीजेपी के जिला उपाध्यक्ष बबन झा ने कहा कि करीम ने अपने बयान में बीजेपी पर हिंसा भड़काने जैसे कई अन्य आरोप भी लगाए. झा ने कहा कि यह भ्रामक और निंदनीय बयान है. उन्होंने कहा कि एक तरफ करीम जेडीयू की सदस्यता लेकर एनडीए में हैं. साथ ही वे महागठबंधन की बड़ी पार्टियों के बारे में भी गलत बयान दे रहे हैं. हालांकि जेडीयू नेता के इस बयान से बीजेपी आर-पार के मूड में है. इससे महागठबंधन में स्थानीय स्तर पर दरार पड़ने और चुनाव में इसके असर की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता.

लालू यादव को बड़ा झटका लगा है

आपको बता दें कि पिछले हफ्ते बिहार में लालू यादव को बड़ा झटका लगा था. पूर्व राज्यसभा सांसद अशफाक करीम ने राष्ट्रीय जनता दल से इस्तीफा दे दिया. करीम ने लालू प्रसाद को भेजे अपने इस्तीफे में कहा कि वह सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए राजद में शामिल हुए हैं.

मतदान को लेकर पहली बार वोट देने वाले युवाओं व युवतियों में खासा उत्साह

बिहार : गया के मतदाताओं में मतदान को लेकर काफी उत्साह खासा उत्साह है। शुक्रवार की अहले सुबह से ही महिला मतदाता अपना चूल्हा-चौका छोड़कर अपने-अपने मतदान केंद्रों तक पहुंच गई। लोकसभा चुनाव के इस महापर्व पर अधिक अधिक लोगों ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। गया लोकसभा के अधिकतर मतदान केंद्रों पर महिला मतदाताओं की लंबी कतार दिखी। हर दो-दो घंटे पर आ रहे मतदान के आंकड़े भी इसकी गवाही देते नजर आए। शुक्रवार की अहले सुबह से ही महिला मतदाता अपना चूल्हा-चौकी छोड़कर अपने-अपने मतदान केंद्रों तक पहुंच गई।

सुबह 11 बजे तक 14.50 फीसदी वोटिंग

मतदान को लेकर पहली बार अपना वोट देने वाले युवाओं व युवतियों में खासा उत्साह रहा। जबकि वृद्ध एवं बीमार वोटरों ने भी मतदान कर अपना धर्म निभाया। गया टाउन विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या- 121 पर पहली बार वोट करने आई छात्रा अंजली कुमारी ने बताया कि विकास के प्रति समर्पित प्रत्याशी को ही अपना वोट दिया। ताकि बनने वाली सरकार शिक्षा, स्वास्थ, बिजली, पानी व सड़क, नौकरी पर विशेष कार्य करें। साथ ही मनोज कुमार ने बताया कि देश जिसके हाथ में सुरक्षित रहे उसी को वोट समर्पित किया है। वहीं सुबह 11 बजे तक 14.50 फीसदी वोटिंग हो चुकी है। गया लोकसभा क्षेत्र में कुल 18 लाख 16 हजार 815 मतदाता है।

एनडीए व राजद प्रत्याशी समेत 14 प्रत्याशी हैं चुनावी मैदान में

हालांकि गया लोकसभा सीट पर एनडीए प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी और राजद प्रत्याशी सह पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत समेत 14 प्रत्याशी चुनावी मैदान में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। जिसमें राजद प्रत्याशी सह बोधगया विधायक पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत, बहुजन समाज पार्टी से सुषमा कुमारी, दी नेशनल रोड मैप पार्टी आफ इंडिया से गिरिधर सपेरा, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा सेक्युलर से पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी से धीरेन्द्र प्रसाद, भारतीय लोक चेतना पार्टी से शिव शंकर, राष्ट्रीय जन संभावना पार्टी से सुरेंद्र मांझी और निर्दलीय से अमरेश कुमार, अरुण कुमार, अशोक कुमार पासवान, आयुष कुमार, देवेन्द्र प्रताप, रंजन कुमार और राजू कुमार चौधरी शामिल हैं।

पटना में धूप और गर्मी के कारण बदला स्कूल का समय

बिहार : पटना के जिलाधिकारी ने जिले में भीषण गर्मी और लू की चपेट को देखते हुए पटना के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों को फ्री स्कूल एवं आंगनबाड़ी केदो में दसवीं कक्षा तक की सभी कक्षाओं के लिए शैक्षणिक गतिविधि 11:30 से 4:00 बजे तक प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी का यह मानना है कि यह निर्देश 20 अप्रैल से प्रभाव से जारी हो जाएगा जो 30 अप्रैल तक रहेगा। पटना के जिलाधिकारी शीर्षक कपिल अशोक ने पटना दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत पटना के सभी विद्यालयों पर यह कानून लागू करने का निर्देश जारी किया है। निर्देश की कॉपी शिक्षा विभाग से संबंधित सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के लिए जारी किया है।

हीट वेभ से जनजीवन प्रभावित

राजधानी पटना सहित कई जिलों में हीट वेभ ने आमजन जीवन को पूरी तरह प्रभावित किया है। भीषण गर्मी और तपिश का प्रभाव छोटे-छोटे बच्चों पर खास देखने को मिल रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए पटना के जिलाधिकारी ने राजधानी पटना के सभी विद्यालयों पर दोपहर के समय में विद्यालय संचालक पर रोक लगा दी है। यह भी कड़ा निर्देश जिलाधिकारी ने दिया है कि इस निर्देश का उल्लंघन करने वाले पर कार्रवाई भी की जा सकती है।

चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव को पत्र लिखकर उनकी मां के खिलाफ इस्तेमाल की गई अभद्र भाषा पर तत्काल कार्रवाई की मांग की

पटनाः एक कथित वीडियो में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के कार्यकताओं द्वारा एक चुनावी रैली के दौरान लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान की मां वीणा पासवान को गालियां देते हुए दिखाया गया है। एलजेपी नेता ने पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को पत्र लिखकर मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है. अपने पत्र में, पासवान ने कहा कि विशेष कार्रवाई ने जंगल राज की यादों को ताजा कर दिया है क्योंकि उस दौरान माताओं और बेटियों के लिए अपने घरों से बाहर निकलना मुश्किल था।

₹मैंने कभी राबड़ी देवी जी और अपनी मां के बीच कोई अंतर नहीं समझा। ऐसे में मुझे आपसे यह उम्मीद नहीं थी। मैं मानता हूं कि राजनीतिक दलों के अलग-अलग विचार हो सकते हैं, मतभेद हो सकते हैं लेकिन ऐसा करना उचित नहीं है।₹ उन्होंने कहा, "किसी की मां के बारे में ऐसी अभद्र भाषा मेरे लिए कल्पना से परे है।"

₹आपकी पार्टी के समर्थकों की इस हरकत ने 90 के दशक के जंगलराज की यादें ताजा कर दी हैं. उस जमाने में मां-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था. महिलाओं को अपमानित और प्रताड़ित किया जाता था. आज इस घटना के बाद आप सोच भी नहीं सकते कि कैसे एक बेटे के रूप में अपनी मां के बारे में ऐसे शब्द सुनना मेरे लिए दुखद है। मैं चाहता हूं कि आप अपनी पार्टी के कार्यकताओं और समर्थकों को कड़ा संदेश दें ताकि भविष्य में न केवल मेरे लिए बल्कि किसी भी मां और बहन के लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल न किया जा सके। बिहार में रह रहे हैं,ह्व एलजेपी प्रमुख ने कहा। चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव को लिखे पत्र में कहा,

"मुझे उम्मीद है कि आप मेरी मां का अपमान करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करेंगे." घटना की निंदा करते हुए, राजद नेता मीसा भारती ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी द्वारा लालू प्रसाद यादव के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने पर चिराग पासवान की चुप्पी पर सवाल उठाया।

₹यह निंदनीय है, किसी भी पार्टी की महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन मैं चिराग पासवान से पूछना चाहता हूं कि जब सम्राट चौधरी ने मेरी बहन और पिता के खिलाफ ऐसी अपमानजनक टिप्पणी की थी तो वह चुप क्यों थे ?₹ उसने कहा। घटना के संबंध में बिहार बीजेपी महिला प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से शिकायत दर्ज करायी थी.

बगीचे में मिला गला रेता हुआ युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरपुर : बिहार के मुजफ्फरपुर में बगीचे में एक शख्स का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। यह कांटी थाना क्षेत्र के मधुबन गांव की है। जहां गला रेतकर हत्या कर शव को बगीचे में फेंक दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हालांकि मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है।

जानकारी के मुताबिक, कांटी थाने क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब एक बगीचे में एक शख्स का गला रेता हुआ शव बरामद हुआ। इस घटना की जानकारी के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जहां पर स्थानीय लोगों ने देखा कि एक युवक का गला रेता हुआ शव पड़ा है। उसके बाद इसकी सूचना कांटी थाना पुलिस को दी गई। उसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। फिर शव को कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम कराए जाने की कवायद में जुट गई।

कांटी थाना के एसएचओ ने बताया कि मधुबन गांव के बगीचे के पास पोखर के नजदीक एक युवक का शव मिला है। उसके गले पर जख्म के गहरे निशान हैं। आशंका जताई जा रही है कि हत्या करके शव को यहां पर लाकर फेंका गया है। शव की अब तक पहचान नहीं की जा सकी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराए जाने की कवायद की जा रही है। प्रथम दृश्य मामला हत्या का लग रहा है।

www.sutrakarsamachar.com
सूत्रकार सब्सक्राइब करें
रांची,शनिवार , 20 अप्रैल2024

न्यूज फ्लैश

रोमांचक मुकाबले में मुम्बई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को नौ रन से हराया

मुल्लांपुर

सूर्यकुमार यादव (78) रनों की शानदार अर्धशतीय पारी और उसके बाद जसप्रीत बुमराह और गेराल्ड कोएत्जी की कातिलाना गेंदबाजी के दम पर मुम्बई इंडियंस ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 33वें मैच में पंजाब किंग्स को नौ रन से हरा दिया है। मुम्बई इंडियंस की सात मैचों में यह चौथी जीत है।

193 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने 14 रन पर अपने चार विकेट गवां दिये। कप्तान सैम करन (6), प्रभसिमरन सिंह (शून्य), राइली रुसो (एक), लियम लिविंगस्टन (एक) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय हरप्रीत सिंह और शशांक सिंह ने पारी को संभालने का प्रयास किया। हरप्रीत सिंह (13) और जितेश शर्मा (9) रन बनाकर आउट हुये। शशांक सिंह ने 25 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुये 41 रन बनाये। आशुतोष शर्मा ने 28 गेंदों में दो चौके और सात छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। हरप्रीत बराड़ 21 बनाकर आउट हुये। कगिसो रबाडा आठ रन बनाकर आउट हुये। हर्षल पटेल एक रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब की टीम 19.1 ओवर में 183 रन पर सिमट गई। पंजाब की यह सात मैचों में पांचवीं हार है।

मुम्बई इंडियंस की ओर से गेराल्ड कोएत्जी ने 32 रन देकर और जसप्रीत बुमराह 21 रन देकर ने तीन-तीन विकेट लिये। आकाश मधवाल और श्रेयस गोपाल को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले सूर्यकुमार यादव (78), रोहित शर्मा (36) और तलिक वर्मा के नाबाद (34) रनों की शानदार पारी के दम पर मुम्बई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को जीत के लिए 193 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां महाराज यदविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरूआत अच्छी नहीं रही और इशान किशन (8) को रबाड़ा ने पवेलियन भेज दिया। इसके बाद रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार यादव के साथ पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट लिये 81 रन जोड़े। 12वें ओवर में एस करन ने रोहित शर्मा को आउट कर दिया। रोहित ने 25 गेंदों में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 36 रन बनाये। वहीं सूर्यकुमार यादव ने 53 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्के लगाते हुए 78 रनों की पारी खेली। उन्हें एस करन ने प्रभसिमरन के हाथों कैच आउट कराया। कप्तान हार्दिक पंड्या (10) और टिम डेविड (14), रोमारियो शेफर्ड (एक) रन बनाकर आउट हुये। तिलक वर्मा ने 18 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 34 रन बनाये। पंजाब ने निर्धारित सात विकेट पर 192 रनों का स्कोर खड़ा किया।

पंजाब किंग्स की ओर से हर्षल पटेल को तीन विकेट मिले। सैम करन ने दो विकेट लिये। कगिसो रबाडा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

गुकेश को फिर संयुक्त बढत, प्रज्ञानानंदा और गुजराती दौड़ से बाहर

टोरंटो

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए अजरबैजान के निजात अबासोव को हराकर कैंडिडेट्स शतरंज टूनार्मेंट में संयुक्त बढत बना ली लेकिन आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती 12वें दौर के बाद दौड़ से बाहर हो गए। अमेरिका के हिकारू नकामूरा ने फ्रांस के फिरोज अलीरजा को हराया। गुकेश और नकामूरा अब रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि के साथ शीर्ष पर है जिन्होंने प्रज्ञानानंदा से ड्रॉ खेला। इन तीनों के 7.5 अंक हैं जबकि अमेरिका के फेबियानो कारूआना उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा छह अंक लेकर पांचवें स्थान पर है जबकि गुजराती के पांच अंक है। आठ खिलाड़ियों के दोहरे राउंड रॉबिन टूनार्मेंट के दो दौर बाकी हैं और उनके लिये शीर्ष तीन में जगह बनाना नामुमकिन है। अलीरजा और अबासोव के 4.5 अंक हैं। महिला वर्ग में चीन की झोंग्यी तान ने बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा से ड्रॉ खेला। रूस की कैटरीना लागनो ने चीन की टी लेइ को ड्रॉ पर रोका। भारत की कोनेरू हम्पी ने रूस की अलेक्जेंड्रा गारियाश्किना से ड्रॉ खेला जबकि आर वैशाली ने यूक्रेन की अन्ना एम को हराया। तान के आठ अंक है और लेइ उनसे आधा अंक पीछे हैं। हम्पी , लागनो और गोरियाश्किना छह अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। वैशाली 5.5 अंक के साथ छठे स्थान पर है। सत्रह वर्ष के गुकेश कैंडिडेट्स टूनार्मेंट में खेलने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 1959 में बॉबी फिशर सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे जिन्होंने यह टूनार्मेंट खेला।

बुमराह के खिलाफ स्वीप शॉट खेलना मेरा सपना था , कहा आशुतोष शर्मा ने

मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स के आक्रामक बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को स्वीप शॉट खेलना हमेशा से उनका सपना था जो मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच में पूरा हुआ। आशुतोष ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 28 गेंद में 61 रन बनाये लेकिन उनकी टीम नौ रन से हार गई।

आशुतोष ने मैच के बाद मीडिया से कहा, ह्यह्यबुमराह को स्वीप शॉट लगाना मेरा सपना था। मैं उस शॉट का अभ्यास कर रहा था और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज के सामने वह शॉट खेला।''

उन्होंने कहा, मुझे भरोसा था कि मैं टीम को मैच जिता सकूंगा।'' उन्होंने अपने बेहतर प्रदर्शन कर श्रेय पंजाब किंग्स के क्रिकेट विकास प्रमुख और भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ को दिया। उन्होंने कहा ,''संजय सर ने मुझे कहा कि मैं स्लॉगर नहीं हूं और विशुद्ध क्रिकेटिया शॉट खेल सकता हूं। यह छोटा या बयान था लेकिन मेरे लिये बहुत मायने रखता है। मैं इस पर अमल कर रहा हूं। मैं हार्ड हिटर नहीं हूं और क्रिकेट के शॉट खेलता हूं। मैने अपने खेल में यही बदलाव किया।'' टीम की हार के बावजूद उन्होंने कहा, ह्यह्यजीत और हार खेल का हिस्सा है। मायने यह रखता है कि एक टीम के रूप में आप कैसा खेल रहे हैं। अगर हम अच्छा खेलेंगे तो जीतेंगे।''

आशुतोष ने अविश्वसनीय पारी खेली : हार्दिक पंड्या

मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स के क्रिकेटर आशुतोष शर्मा की आक्रामक पारी की मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या और पंजाब के कार्यवाहक कप्तान सैम कुरेन दोनों ने जमकर तारीफ की है।

इस आईपीएल सत्र में आशुतोष और शशांक सिंह ने पंजाब के लिये शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन शीर्षक्रम की नाकामी के कारण टीम नौवे स्थान पर खिसक गई है।

आशुतोष ने 28 गेंद में 61 रन बनाकर पंजाब को जीत के करीब पहुंचा दिया था लेकिन 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम नौ रन से चूक गई। पंड्या ने मैच के बाद कहा, ह्यह्यअविश्वसनीय। जिस तरह से वह खेल रहा था , उसके भविष्य के लिये अच्छा है। हमने टाइमआउट में इसके बारे में बात की थी।

हमने ढीली गेंदें नहीं देने पर जोर दिया। उन्होंने अच्छे शॉट खेले लेकिन हमने भी कुछ ढीली गेंदें डाली थी।''पंजाब के कार्यवाहक कप्तान कुरेन ने कहा, ह्यह्यएक और करीबी मुकाबला। इस टीम को करीबी मुकाबले पसंद है लेकिन हम फिर हार गए। आशुतोष ने शानदार पारी खेली लेकिन हमने करीबी मुकाबला गंवा दिया। शुरूआत में ही काफी विकेट गंवा दिये लेकिन युवा खिलाड़ी जीत के इतने करीब टीम को ले गए , यह देखकर अच्छा लगा।''

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगी दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद

नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को आईपीएल के 35वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। पिछले मैच में गुजरात टाइंटस पर जीत से उत्साहित दिल्ली कैपिटल्स अपने घरेलू मैच में ये मैच जीतकर अपनी लय बरकरार रखना चाहेगी। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दिल्ली ने खराब शुरूआत के बाद लगातार दो जीत से अंकतालिका में अपनी स्थित बेहतर की है। पिछले मैच में उसकी गेंदबाजी में भी काफी सुधार आया है। इसके अलावा टीम के कप्तान ऋषभ पंत लगातार बेहतर होते जा रहे हैं। पिछले मैच में ऋषभ ने शानदार विकेटकीपिंग के साथ ही कप्तानी कौशल भी दिखाया था। इस मैच में दिल्ली के गेंदबाज किस प्रकार सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाते हैं। ये देखना होगा। सनराइजर्स ने अब तक जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए लगातार दो बार आईपीएल इतिहास का सबसे अधिक स्कोर बनाया है। हैदराबाद की टीम ने अपने 6 मैचों में से 4 में जीत हासिल की है और वो इस वक्त अंक तालिका में चौथे नंबर पर हैं। वहीं दिल्ली की टीम ने लगातार दो जीत हासिल की हैं और वो अंक तालिका में छठे स्थान पर हैं। दोनों टीमें अब तक 23 बार आमने-सामने आई हैं, जिसमें से दिल्ली ने 12 और हैदराबाद ने 11 मैच जीते हैं। दोनों ही टीमें अभी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

पिछले दो मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ और गुजरात को हराया है। ऐसे में कैपिटल्स अपनी टीम में शायद ही कोई बदलाव करे। इस मैच में डेविड वॉर्नर फिट हुए तो उतर सकते हैं पर इसके अलावा अंतिम 11 में कोई और बदलाव नजर नहीं आ रहा है।

वहीं सनराइजर्स हैदराबाद इस सत्र में धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण गेंदबाजों के लिए खौफ बनी हुई है। पैट कमिंस की कप्तानी वाली इस टीम ने अपने लगातार 3 पिछले मैच जीते हैं। पिछले मुकाबले में तो उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 287 रन बनाकर जीत हासिल की थे। इसको देखते हुए कैपिटल्स के गेंदबजों को बेहद कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी। दिल्ली के गेंदबाज भी इस अच्छी लय में हैं, ऐसे में हैदराबाद की राह भी आसान नहीं रहेगी। दिल्ली ने गुजरात को पिछले मैच में 89 रन पर ही समेट दिया था। हैदराबाद ने भी पिछला मैच जीता था। इसलिए उसकी टीम में भी बदलाव की उम्मीद नहीं है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। इसमें टॉस की भी अहम होगी और जीतने वाली टीम लाभ में रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान), पृथ्वी शॉ, डेविड वॉर्नर/सुमित कुमार, जैक फ्रेसर मैक्गर्क, शे होप, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, ईशांत शर्मा और खलील अहमद।

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान) , अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, एडन मार्करम, अब्दुल समद, नीतीश कुमार रेड्डी, शाहबाज अहमद, भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट और टी नटराजन।

विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के लिये ठोस नींव तैयार कर रहा है हॉकी इंडिया : भरत छेत्री

नई दिल्ली

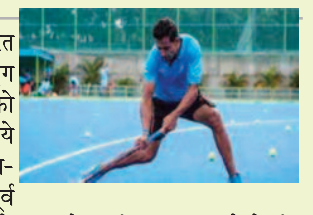

भारत के पूर्व गोलकीपर भरत छेत्री ने जमीनी स्तर पर ड्रैग फ्लिकरों और गोलकीपरों को तैयार करने पर जोर देने के लिये शुक्रवार को हॉकी इंडिया की तारीफ की। छेत्री समेत भारत के पूर्व गोलकीपर और ड्रैग फ्लिकर देश भर में राष्ट्रीय अकादमियों में तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का संचालन करेंगे।

इनमें एड्रियन डिसूजा, योगिता बाली, हेलेन मेरी, दीपिका मूर्ति, आकाश चिकते और पीटी राव शामिल हैं। वहीं ड्रैग फ्लिकरों में रूपिंदर पाल सिंह, गुरजिंदर सिंह, वी आर रघुनाथ और जसप्रीत कौर का चयन किया गया है। छेत्री ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, भारतीय हॉकी के भविष्य के लिये जमीनी स्तर पर निवेश बहुत जरूरी है। गोलकीपरों और ड्रैग फ्लिकरों के लिये विशेष ट्रेनिंग के जरिये हॉकी इंडिया इन भूमिकाओं के लिये विश्व स्तरीय प्रतिभाओं के उदय होने की ठोस नींव तैयार कर रहा है।'' हॉकी इंडिया राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग की भी शुरूआत कर रहा है जिसका पहला चरण 30 अप्रैल से नौ मई तक रांची में खेला जायेगा। इसके बारे में छेत्री ने कहा, यह भारतीय खेलों के लिये अहम पल है। घरेलू स्तर पर महिला खिलाड़ियों को इतना बड़ा मंच देकर हॉकी इंडिया अगली पीढी के सितारे तैयार कर रहा है। मुझे यकीन है कि यह लीग असंख्य लड़कियों को हॉकी स्टिक उठाने के लिये प्रेरित करेगी।''

बीजिंग हाफ मैराथन के शीर्ष तीन धावकों के पदक छीने गए

बीजिंग

बीजिंग हाफ मैराथन आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की है कि पिछले रविवार की विवादास्पद दौड़ में शामिल चार धावकों से पदक छीन लिए गए हैं। आयोजकों ने रविवार की दौड़ के वीडियो क्लिप के बाद एक जांच शुरू की, जिसमें दिखाया गया कि केन्या के रॉबर्ट केटर और विली म्नांगट और इथियोपिया के डीजेन बिकिला ने चीन की हे जी को जीताने के लिए फिनिश लाइन से पहले जानबूझकर दौड़ धीमी कर दी। 2023 एशियाई खेलों के मैराथन स्वर्ण पदक विजेता, हे जी ने एक सेकंड के अंतर से जीत हासिल की, जब उनके कथित प्रतिद्वंद्वी समापन की ओर धीमे दिखे और उन्हें आगे कर दिया। आयोजन समिति ने एक बयान में कहा कि बीजिंग हाफ मैराथन के आधिकारिक प्रायोजक एक्सटेप ने तीन अफ्रीकी धावकों को गति-निर्धारक के रूप में कार्य करने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन वे विशिष्ट एथलीटों के रूप में प्रतिस्पर्धा करने के पात्र नहीं थे। बयान में कहा गया कि इन तीनों धावकों से उनकी ट्रॉफियां, पदक और बोनस वापस ले लिए जाएंगे।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम ऑलराउंडर की प्रगति को प्रभावित कर रहा है: जहीर

नई दिल्ली

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के यह कहने के कुछ ही घंटों बाद कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम आईपीएल में ऑलराउंडरों के विकास को प्रभावित कर रहा है, बाएं हाथ के पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने भी यही बात कही। इम्पैक्ट प्लेयर रूलिंग को आईपीएल 2023 में पेश किया गया था और यह सभी दस टीमों को खेल शुरू होने के बाद प्लेइंग-11 में एक खिलाड़ी की जगह लेने के लिए मैच में किसी भी समय पांच नामांकित विकल्पों में से एक खिलाड़ी को लाने की अनुमति देता है। लेकिन इस फैसले का मतलब यह हुआ कि शिवम दुबे जैसे कई ऑलराउंडरों को गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिल सका है। जहिर ने कहा, ₹ इम्पैक्ट प्लेयर नियम से ऑलराउंडरों के लिए मुश्किलें बढ़ रही है। मैं रोहित की इस बात से पूरी तरह सहमत हूं। आप एक संपूर्ण गेंदबाज का इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उपयोग कर सकते हैं और वह संतुलन बना सकते हैं। यह पहलू निश्चित रूप से बहस का मुद्दा है और इस मोर्चे पर चिंताएं बढ़ रही हैं।''

₹यह आधे ऑलराउंडरों की खोज और प्रगति को प्रभावित करेगा। हो सकता है कि आपको बेन स्टोक्स जैसा एक वास्तविक ऑलराउंडर मिल जाए। लेकिन यह आधे ऑलराउंडरों के लिए चिंता का विषय होगा।₹

आईपीएल 2024 में, टीमें तीन बार 250 के पार पहुंची हैं और टूनार्मेंट का औसत रन-रेट वर्तमान में 9.42 है, जो कि आईपीएल के एक संस्करण में अब तक का सबसे अधिक है। खेल को और अधिक बल्लेबाजों के अनुकूल बनाने वाले इम्पैक्ट प्लेयर नियम के बारे में चर्चा के साथ, जहीर का मानना है कि गेंदबाजों को खुद को मजबूत करना होगा और विपक्षी बल्लेबाजों के आक्रामक तरीकों का मुकाबला करने के तरीके खोजने होंगे।

साथ ही, जहीर इस बात से भी प्रभावित थे कि कैसे टेबल-टॉपर राजस्थान रॉयल्स अपने बल्लेबाजी क्रम को संतुलित करने और गेंदबाजी विभाग को मजबूत करने में इम्पैक्ट प्लेयर नियम का उपयोग करने में सक्षम है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे पहले या बाद में बल्लेबाजी करते हैं।

बुमराह को दो ओवर के स्पैल के बाद हटाने से पंजाब किंग्स को मिला वापसी का मौका : मूडी

मुंबई

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला टॉम मूडी का मानना है कि मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में गुरुवार को दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का अच्छे से इस्तेमाल नहीं किया जिससे पंजाब किंग्स को इस मैच में बेहद खराब शुरूआत से उबरने का मौका मिल गया।

बुमराह ने अपने पहले (पारी के दूसरे ओवर) स्पैल में सैम कुरेन और राइली रुसो का विकेट चटकाने के बाद खतरनाक शशांक सिंह को चलता किया जिससे जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही पंजाब किंग्स की टीम नौ रन से दूर रह गयी। उन्होंने अपने चार ओवर में महज 21 रन खर्च किये।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला मूडी ने 'स्टार स्पोर्ट्स' के कार्यक्रम 'क्रिकेट लाइव' में कहा, ह्यह्यएक बार फिर से दिखा कि मुंबई की टीम मैच के रुख को बदलने के लिए बहुत हद तक बुमराह पर निर्भर है। उन्होंने अपने शुरूआती दो ओवरों में शानदार गेंदबाजी कर पंजाब किंग्स को बैकफुट पर धकेल दिया था। यह देखना निराशाजनक था कि टीम ने उनसे 13वें ओवर तक दोबारा गेंदबाजी नहीं करवाई।''

उन्होंने कहा, वह अभी शानदार लय में है। मेरा मानना है कि मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को वापसी का मौका किया। बुमराह को अगर एक और ओवर (पारी की शुरूआत में) करने को मिलता तो शायद पंजाब की टीम उसी समय मैच की दौड़ से बाहर हो जाती।''

धाविका शालू चौधरी को क्लीन चिट, डीएनए टेस्ट से नमूना दूषित होने का खुलासा

नयी दिल्ली

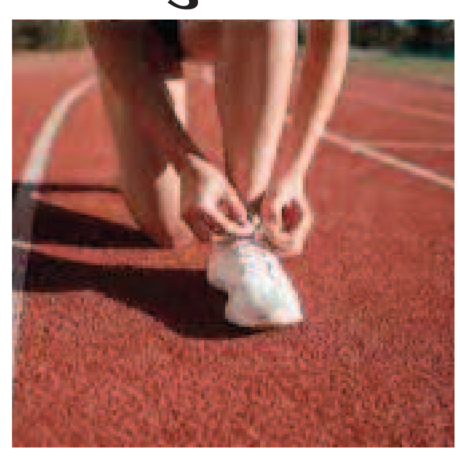

राष्ट्रीय डोपिंग निरोधी एजेंसी की अपील पैनल ने मध्यम दूरी की धाविका शालू चौधरी को डोपिंग के आरोपों से बरी करके चार साल का प्रतिबंध हटा दिया है क्योंकि डीएनए टेस्ट में पता चला कि उनके मूत्र के नमूने से या तो छेड़छाड़ की गई या लेते समय वह दूषित हो गया था।

तीस वर्ष की चौधरी पर पिछले साल प्रतिबंध लगाया गया था और वह नाडा की अनुशासन समिति के सामने अपील हार गई थी। उन्हें दो प्रतिबंधित दवाओं के कथित इस्तेमाल के कारण प्रतिबंध झेलना पड़ा था। आठ सौ मीटर में राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता चौधरी ने मूत्र के नमूने के डीएनए टेस्ट की मांग की जिसे अनुशासन समिति ने तो खारिज कर दिया लेकिन अपील पैनल ने मान लिया। डीएनए जांच लंदन के किंग्स कॉलेज स्थित फारेंसिंक विभाग द्वारा कराई गई।

अपीली पैनल ने कहा, ह्यह्यमूत्र के नमूने के पिछले विश्लेषण में डीएनए प्रोफाइल सही नहीं आया है। डीएनए नमूने की जांच रिपोर्ट को देखते हुए नाडा के वकील कोई और कारण नहीं बता पाये है जिससे अपीली पैनल खिलाड़ी की अपील खारिज करने का फैसला ले।''

इसने कहा, ह्यह्यनाडा के वकील ने डीएनए रिपोर्ट मान ली और इसके नतीजे को चुनौती नहीं दी है। इसके मद्देनजर डोपिंग निरोधक पैनल द्वारा 11 अप्रैल 2023 को दिया गया फैसला दरकिनार किया जाता है। खिलाड़ी पर लगाया गया चार साल का प्रतिबंध खारिज कर दिया गया है। इसके साथ ही 13 जून 2022 से प्रतिस्पधाओं में उनके नतीजे रद्द करने के निर्देश भी खारिज किये जाते हैं।''

पैनल ने 18 अप्रैल को आदेश दिये जाने के दस दिन के भीतर डीएनए टेस्ट पर हुआ डेढ लाख रुपए का खर्च भी चौधरी को भुगतान करने का नाडा को निर्देश दिया।

देर से पहुंचने के कारण एशियाई क्वालीफायर नहीं खेल सकेंगे पहलवान पूनिया और सुजीत

नयी दिल्ली

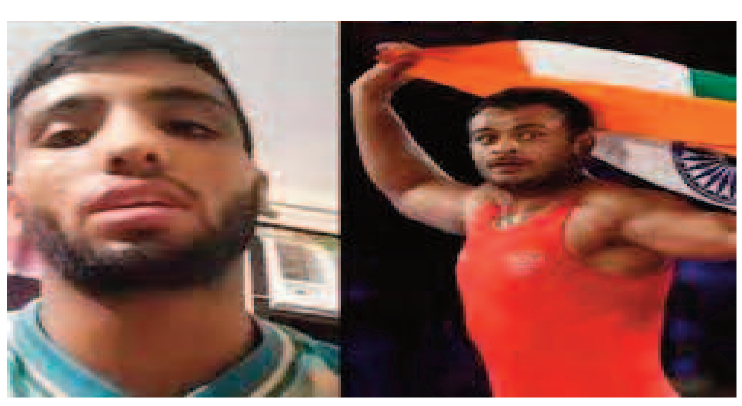

बिश्केक में एशिया ओलंपिक क्वालीफायर में भारतीय कुश्ती दल को करारा झटका लगा क्योंकि देश के दो सर्वश्रेष्ठ पहलवान दीपक पूनिया और सुजीत कलाकल समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण टूनार्मेंट नहीं खेल सकेंगे। दुबई में खराब मौसम के कारण उनकी फ्लाइट देर से बिश्केक पहुंची। भारी बारिश और बाढ के कारण दोनों दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे रहे और वजन कराने के समय पर नहीं पहुंच सके। सूत्रों ने कहा कि भारतीय कोचों के अनुरोध के बावजूद आयोजकों ने उन्हें अनुमति नहीं दी।

पूनिया (86 किलो) तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के करीब पहुंचे थे। वह और सुजीत (65 किलो) पेरिस ओलंपिक के क्वालीफाइंग टूनार्मेंट में भाग लेने बिश्केक पहुंचे जबकि दुबई से जाने वाली अधिकांश उड़ानें हवाई अड्डे पर पानी भरा होने के कारण या तो रद्द हो गई या देर से पहुंची। रूसी कोच कमाल मालिकोव और फिजियो शुभम गुप्ता के साथ दोनों जमीन पर सोये और दुबई हवाई अड्डे पर बाढ के कारण भोजन उपलब्ध नहीं होने से भूखे भी रहे।

सुजीत के पिता दयानंद कलाकल ने कहा था, ह्यह्यदोनों 16 अप्रैल से दुबई हवाई अड्डे पर फंसे थे। उन्हें बिश्केक की उड़ान नहीं मिल रही थी। मैं दोनों को लेकर चिंतित हूं।'' दोनों रूस में अभ्यास कर रहे थे और उन्होंने दुबई के रास्ते बिश्केक पहुंचने का फैसला लिया था। पेरिस ओलंपिक का आखिरी विश्व क्वालीफायर मई में तुर्की में खेला जायेगा।

ईशा सिंह, भावेश शेखावत ने आंलपिक चयन ट्रायल के पहले दिन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किये

ईशा सिंह ने शुक्रवार को यहां ओलंपिक चयन ट्रायल के पहले दिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि भावेश शेखावत पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल वर्ग में शीर्ष पर रहे। ईशा ने महिलाओं की स्पोर्ट पिस्टल 'टी1' क्वालीफिकेशन में प्रिसिजन और रैपिड-फायर राउंड में कुल 585 का स्कोर किया, जिससे वह दूसरे स्थान पर काबिज सिमरनप्रीत कौर बराड़ से दो अंक आगे रहीं।

डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में मनु भाकर (582) तीसरे स्थान पर रहीं, जबकि अभिज्ञान पाटिल (577) और रिदम सांगवान (574) क्रमश चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। पुरुषों की रैपिड-फायर पिस्टल में भावेश (580) ने लगतार अच्छा प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में देश के लिए कोटा हासिल करने वाले विजयवीर सिद्धू (579) और अनीश (578) का प्रदर्शन भी बेहतर रहा लेकिन आदर्श सिंह (572) और अंकुर गोयल (564) उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। सभी 10 निशानेबाज फाइनल शनिवार को फाइनल में फिर से चुनौती पेश करेंगे। हर वर्ग में पांच दावेदारों के बीच सर्वश्रेष्ठ स्कोर वाले शीर्ष दो निशानेबाज पेरिस के लिए क्वालीफाई करेंगे।

वर्ष-59, रजिस्ट्रेशन संख्या : WB HIN/00780 **अखबार के स्वामी** : के के एम पब्लिशर के लिए **मुद्रक एवं प्रकाशक** राजीव नयनम द्वारा प्रकाशित तथा एल.एस. पब्लिकेशन प्रा.लि. 4 केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता-15 से मुद्रित और के के एम पब्लिशर, 7 मैंगोलेन (प्रथम तल), कोलकाता-700001 से प्रकाशित.
संपादक- अशोक पांडेय*, फोन- 033-48032897 मेल- sutrakaar.news@gmail.com